पटना ● शनिवार, 08 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः150 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त ... 3 | www. bordernewsmirror.com | साडी में कयामत ढाती दिखीं... 8

ईवीएम को आराम करने दो, अगले चुनाव में फिर गाली खाएगी

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बोले-अब तो परिणाम सबके सामने है

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो चुके हैं। भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अधिसूचना भी सौंप दी है। इसी बीच मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर उठने वाले सवालों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईवीएम को अब आराम करने दीजिए, क्योंकि अगले चुनाव में फिर उसे गाली खानी है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान आयुक्त कुमार ने कहा, अब तो सबके सामने है। अब तो सबको पता है। उसको बेचारी को क्यों पीटना है। उसको उससे दूर रहते हैं। थोड़े दिन उसको भी आराम करने दीजिए। अगले चुनाव में बाहर आएगी। फिर उसी तरह से उठेगी, बैटरी बदलेंगे, पेपर बदलेंगे, फिर वो गाली खाएगी। फिर वो अपना रिजल्ट अच्छे से दिखाएगी। उन्होंने आगे कहा, पिछले 20-22 इलेक्शन से ऐसे रिजल्ट दिखा रही है। सरकार एक जगह से दूसरी जगह बदलती चली जाती हैं पूरे राज्यों में बहुत सारों में। तो उसका शायद जब मुहूर्त ऐसा था जब जन्म हुआ तब ऐसा था कि उसे गाली खानी है। वो बहुत भरोसेमंद चीज है और तटस्थ हो चुकी है और अपना काम करती रहती है। पीटीआई भाषा के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने हिंसा मुक्त लोकसभा चुनाव को गुरुवार को महात्मा गांधी को समर्पित किया और कहा कि आयोग ने देश में अशांति पैदा कर सकने वाली अफवाहों एवं बेबुनियाद संदेहों से चुनाव प्रक्रिया को पटरी से उतार देने की कोशिश को पूरी तरह विफल कर दिया। आयुक्त कुमार और चुनाव आयुक्त द्वय ज्ञानेश कुमार एवं एसएस संधू राष्ट्रपति मुर्मू को 18 वीं लोकसभा के गठन की अधिसूचना सौंपने के बाद महात्मा गांधी के स्मारक गए।

मंगलवार को घोषित हुए नतीजों के मुताबिक, देश की 543 लोकसभा सीटों में से 293 एनडीए यानी नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के खाते में आई हैं। जबकि, 233 सीटें विपक्षी गठबंधन इंडिया को मिली हैं।

बाजार में बहार, सेंसेक्स 2 फीसदी से ज्यादा उछला

- **रिकॉर्ड 76,795 पर पहुंचा, लोकसभा चुनाव के नतीजों से पहले के स्तर को पार किया, निफ्टी 23,290 पर बंद**

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी, 7 जून को बाजार ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स 76,795 के स्तर पर पहुंचा। हालांकि, बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा। बाद में बाजार बंद होने पर निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी है। आज सबसे ज्यादा तेजी आईटी और ऑटो शेयरों में है। एम एन्ड एम का शेयर सबसे ज्यादा 6 फीसदी चढ़ा है। वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5 फीसदी की तेजी है। टाटा स्टील, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा चढ़े हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है।

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया नई सरकार बनाने का न्योता

- 9 जून को शपथ ग्रहण; पीएम ने कहा-18वीं लोकसभा कुछ कर गुजरने वाली रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद अब सरकार बनाने की कवायद चल रही है। इसी क्रम में संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई। इस बैठक में एनडीए के तमाम घटक दल के नेता शामिल हुए और राजनाथ सिंह की ओर से पीएम मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता नामित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया गया। इस निर्णय के बाद एनडीए की ओर से सरकार बनाने का दावा पेश किया। एनडीए की तरफ से नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने मोदी को सरकार बनाने का न्यौता दिया। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने घोषणा की कि 73 वर्षीय मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

पीएम मोदी ने आंकड़ों से राहुल गांधी को दिखाया 'आईना'

- **कहा-कांग्रेस को 2014 से 2024 तक जितनी सीटें मिलीं, उससे ज्यादा ले आए, फिर हारे कैसे**

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के उस नैरेटिव पर हमला बोला है, जिसके तहत कहा जा रहा है कि देश ने भाजपा के खिलाफ जनादेश दिया है। एनडीए का नेता चुने जाने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि आप सोचिए कि 10 साल बाद भी कांग्रेस 100 के आंकड़े को नहीं छू पाई। 2014, 2019 और 2014 के तीन चुनाव में जितनी सीटें उन्हें मिली हैं, उससे ज्यादा हमें इस चुनाव में मिली हैं। मैं साफ देख रहा था कि पहले तो ये लोग डूब रहे थे, अब तेज गति से गर्त में जाने वाले हैं। उन्होंने कहा, दो दिन ऐसा माहौल बना दिया कि जैसे हम तो गए। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो यह सबसे मजबूत गठबंधन की सरकार है। लेकिन कोशिश यह की गई कि इस विजय को स्वीकार न किया जाए। इसको पराजय की छाया में डुबा कर रखा जाए। लेकिन ऐसी चीजों की बाल मृत्यु हो जाती है। मोदी ने कहा कि हम न हारे थे और न हारे हैं।

एनडीए के नेता चुने गए मोदी, नीतिश-चंद्रबाबू ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की संसदीय दल का लगातार तीसरी बार नेता चुना गया। पुराने संसद (संविधान सदन) के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में 13 दलों के नेता शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा- मुझे नया दायित्व देने के लिए आभार। मेरा एक ही लक्ष्य है- भारत माता और देश का विकास। बैठक में एनडीए के सभी 293 सांसद, राज्यसभा सांसद और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम मौजूद थे। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत भाषण दिया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। अमित शाह ने इसका समर्थन किया और नितिन गडकरी ने अनुमोदन किया। जेडीएस अध्यक्ष कुमारस्वामी ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

केजरीवाल को रेगुलर बेल के लिए करना होगा और इंतजार

- 14 जून तक टली सुनवाई, दिल्ली के सीएम की बढ़ गई मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत के लिए और इंतजार करना होगा। राउज एवेन्यू की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को इस केस की सुनवाई करते हुए केजरीवाल की नियमित जमानत को 14 जून तक के लिए टाल दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू और अतिरिक्त लोक अभियोजक जोहैब हुसैन पेश हुए।

वहीं, केजरीवाल की तरफ से वरिष्ठ वकील हरिहरन अपना पक्ष रखा। हरिहरन ने अदालत से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से उन्हें कुछ देर पहले ही रिप्लाई मिला है। ऐसे में मामले को अवकाश जज के पास भेज दिया जाए।

छत्तीसगढ़ में मॉब-लिंचिंग 2 युवकों की हो गई मौत

- मवेशी ले जाने पर 10-12 लड़कों ने पीछा किया फिर जमकर पीटा; महानदी में मिली लाश

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लड़कों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लड़कों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी। इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल है जिसका रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी। जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना शुक्रवार रात ढाई बजे के करीब की है।

आ गई खुशखबरी

250 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेगी 'वंदे भारत बुलेट ट्रेन'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे लोकप्रिय वंदे भारत ट्रेन के ऐलान के बाद लोग बुलेट ट्रेन की सौगात का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि भारतीय रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) को चालू वित्त वर्ष के भीतर दो मानक-गेज बुलेट ट्रेनों का घरेलू उत्पादन करने का काम सौंपा है। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, यह निर्णय तब लिया गया जब जापान के साथ बुलेट ट्रेन की डील में बाधाएं आने लगीं। रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीएफ में 250 किलोमीटर की स्पीड से चलने वाली ट्रेन का निर्माण करेगा। खास बात यह कि इस बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा। इन ट्रेनों को 1.08 लाख करोड़ रुपये की लागत वाले मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरीडोर पर चलाने का इरादा है। संभावना है कि इन ट्रेनों का निर्माण वंदे भारत प्लेटफॉर्म का उपयोग करके किया जाएगा। वंदे भारत का मौजूदा प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से आईसीएफ को ट्रेन सेट की डिलीवरी में लगने वाले समय कम हो जाएगा। हालांकि, रिपोर्ट की मानें तो विशेषज्ञों का कहना है कि इस वित्तीय वर्ष के भीतर उनके के लिए इन ट्रेनों की आपूर्ति करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा।

कश्मीर से भी ज्यादा केरल में हुआ बीजेपी कार्यकर्ताओं पर जुल्म

- 1 सीट मिलने पर भी गदगद हैं मोदी, एलडीएफ और यूडीएफ दोनों को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एनडीए के सभी दलों को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने लोकसभा चुनाव के परिणाम पर राज्यों के हिसाब से विवरण देते हुए केरल के नतीजों को काफी सराहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ताओं ने केरल में जितना जुल्म सहा है, उतना जुल्म कश्मीर में भी नहीं हुआ है। उन्होंने इसके लिए एलडीएफ और यूडीएफ को निशाने पर लिया। केरल की दो सीटों पर बीजेपी ने काफी शानदार प्रदर्शन किया। त्रिशूर लोकसभा सीट जीतकर इतिहास रच दिया है।

इधर-उधर कुछ लोग जीते हैं, आप उन्हें भी हरा देंगे

एनडीए की मीटिंग में बिहार सीएम नीतिश कुमार का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में शुक्रवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान नीतिश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, एकनाथ शिंदे, चिराग पासवान सहित एनडीए के तमाम घटक दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी के नाम का समर्थन देश के अगले प्रधानमंत्री पद के लिए किया। इस दौरान नीतिश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरी तरह से आपके साथ हूं। 10 साल में आपने काफी काम किया है। आने वाले समय में जो भी कुछ काम बचा है उसे आप पूरा करेंगे। ऐसा करके आप विरोधियों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी जेडीयू नरेंद्र मोदी जी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है। इन्होंने पूरे देश की सेवा की है। हम पूरे तौर पर इनके साथ रहेंगे। लोग बिना मतलब के बात बोल रहे हैं। नीतिश कुमार ने कहा कि आप अगली बार जब आएंगे तो सब जीत जाएंगे।

मानहानि केस में राहुल गांधी को बड़ी राहत

- कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने दी जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई द्वारा दर्ज कराए गए मानहानि के एक मामले में यहां एक विशेष अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शुक्रवार को जमानत दे दी। मामला पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख अखबारों में कथित रूप से 'अपमानजनक' विज्ञापन जारी करने से संबंधित है।

आरएसएस ने फड़णवीस पर ही जताया भरोसा

महाराष्ट्र चुनाव तक बने रहेंगे उप मुख्यमंत्री

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने कि पेशकश करने के बाद आरएसएस के वरिष्ठ स्वयंसेवक फड़णवीस के घर पहुंचे। फड़णवीस के घर पर बंद दरवाजों के पीछे यह बैठक करीब दो घंटे चली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सूत्रों ने उपमुख्यमंत्री के घर हुई इस मीटिंग के बारे में जानकारी दी लेकिन इसे केवल एक सामान्य बैठक बताया। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अतुल लिमाए इस बैठक का हिस्सा थे, पार्टी के सूत्रों की मानें तो यह बैठक फड़णवीस के इस्तीफे की पेशकश के बारे में थी, संघ ने फड़णवीस को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव तक पद पर बने रहने की सलाह दी क्योंकि ऐसे उनका पद छोड़ देने से मतदाताओं के बीच में गलत संदेश जाएगा। खराब प्रदर्शन और आने वाले चुनावों के लिए रणनीति बनाने पर भी चर्चा हुई।

कनाडा में इंदिरा की हत्या का चित्रण, भारत नाराज

भारतीय कौंसुलेट के बाहर खालिस्तानियों का प्रदर्शन

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानियों की हरकत लगातार भारत की चिंताएं बढ़ा रही है। ऑपरेशन ब्लूस्टार की बरसी पर गुरुवार को खालिस्तानी तत्वों ने वैंकुवर में स्थित भारतीय कौंसुलेट के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान इन अलगाववादी तत्वों ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली तस्वीरें प्रदर्शित कीं। अब भारत सरकार ने इस मामले को औपचारिक तौर पर कनाडा से उठाने का फैसला लिया है। इस प्रदर्शन के दौरान इंदिरा गांधी को गोलियों से छलनी करने का चित्रण किया गया। इंदिरा गांधी की उनके ही दो सुरक्षाकर्मियों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इन हत्यारों में से एक बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह खालसा को पंजाब की लोकसभा सीट से जीत मिल गई है। अलगाववादियों की हिम्मत और कनाडा में उन्हें मिल रहे बढ़ावे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वे भारतीय कौंसुलेट के बाहर जमा हुए। भारत विरोधी नारे लगाए। वैंकुवर के अलावा टोरंटो में भी ऐसा ही प्रदर्शन हुआ। इसमें इंदिरा गांधी की हत्या के चित्रण वाली तस्वीरें तो नहीं दिखाई गईं, लेकिन वहां जुटे लोगों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे और नारेबाजी कर रहे थे। भारत के एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि हम इस मामले में शिकायत करेंगे। बता दें कि 40 साल पहले भारतीय सेना ने खालिस्तानियों के खिलाफ ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी को किया फोन

- **स्विटजरलैंड के पीस समिट में शामिल होने की अपील की, यूक्रेन आने का न्योता दिया**

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को पीएम मोदी को फोन कर लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने 15-16 जून को स्विटजरलैंड में होने वाले शांति सम्मेलन में भारत की भागीदारी की अपील की। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मैंने पीएम मोदी को भारत में जल्द से जल्द सरकार बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं, जिससे वे भारतीयों के विकास के लिए काम करते रहें। हमने ग्लोबल पीस समिट पर भी बात की। मुझे उम्मीद है कि भारत इसमें जरूर शामिल होगा। इसके अलावा जेलेंस्की ने पीएम मोदी को यूक्रेन का न्योता भी दिया। जेलेंस्की के बधाई संदेश पर पीएम मोदी ने उनका शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मोदी ने कहा,राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके खुशी हुई। मैंने आम चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर बधाई के लिए उन्हें धन्यवाद कहा।

बिहार में आसमान से बरसी आफत, ठनका गिरने से तीन की मौत, आंधी और बारिश से काफी नुकसान

पटना, एजेंसी। उत्तर बिहार के कई जिलों में आंधी व बारिश से भारी क्षति हुई है। पूर्वी चंपारण के सुगौली के अमीर खां डाकबंगला टोले में पेड़ गिरने से महिला की मौत हो गयी। इस हादसे में छह लोग घायल हो गये हैं। वहीं, बगहा पुलिस जिले बकुली पंचगांवा में खेत गए किसान अमर साह की मौत हो गई। उनके शरीर पर ही ठनका गिर गया। सीतामढ़ी के रीगा में भी ठनका चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। आंधी-बारिश से जिलों में सौ से अधिक घरों के छप्पर उड़ गए। पांच से छह घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। आम व लीची की फसलों को काफी क्षति हुई है। हालांकि, बारिश से खरीफ की खेती में जुड़े किसानों व सब्जियों की खेती को लाभ पहुंचा है।

पूर्वी चंपारण के सुगौली, तेतरिया, मधुबन व ढाका प्रखंडों में आंधी व बारिश से काफी क्षति पहुंची है। मधुबन प्रखंड में दर्जनों पेड़ गिर गए। जगह-जगह बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी। कई घरों के छप्पर उड़ गए हैं। पेड़ों के गिरने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। तेतरिया प्रखंड में सौ से अधिक घरों के एस्बेस्टस क्षतिग्रस्त हो गये हैं। कई मवेशियों की मौत हो गयी है। तेतरिया प्रखंड की घेघवा पंचायत के मोलनापुर में बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगने से पांच घर जल गये। सीतामढ़ी जिले के बोखड़ा प्रखंड में आंधी से कई घरों के छप्पर उड़ गए। सड़क पर बिजली का ट्रांसफार्मर गिर गया। इससे आपूर्ति ठप हो गई। सीतामढ़ी के रीगा की रेवासी पंचायत के पकड़ी धनुखि टोला में ठनका गिरने से धनुषी टोला वार्ड-2 निवासी सुरेंद्र सहनी की पत्नी संगीता देवी (40) की मौत हो गई। मधुबनी में बीती रात साढ़े तीन बजे तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई। तेज हवा के कारण आम को नुकसान हुआ है। गुरुवार सुबह 10 बजे भी अच्छी बारिश हुई। इससे शहर की सड़कों पर जलजमाव हो गया। रांटी, मंगरौनी, करहिया पूर्वी, बिस्फी, बेनीपट्टी, झंझारपुर, पंडौल सहित कई फीडरों में ब्रेक डाउन हो गया। दरभंगा जिले में आंधी के कारण भारी क्षति हुई है। कई जगहों पर पेड़ गिर जाने से आवागमन बाधित हो गया। कई घरों की छत से एस्बेस्टस उड़ गए हैं। कई लोग चोटिल भी हुए हैं। सड़क पर बिजली के पोल और तार टूटकर लटक गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया।

संक्षिप्त समाचार

किशनगंज के व्यक्ति की मक्का मदीना में मौत :मई में हज के लिए निकले थे, लिफ्ट टूटने से गई जान

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज से हज करने गए एक व्यक्ति की लिफ्ट टूटकर गिरने से साउदी अरब के मक्का मदीना में मौत हो गई है। मृतक की पहचान कोचाधामन प्रखंड के माराडांगा निवासी अब्दुल लतीफ (60 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक अब्दुल लतीफ पिछले महीने मक्का शरीफ में हज के लिए निकले थे, जहां लिफ्ट टूटकर गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट आई और उनके शरीर से काफी खून निकल गया। जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गया है। मृतक के साथ गए लोगों ने परिजनों को गुरुवार की शाम घटना की जानकारी दी, वहीं घटना की जानकारी के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का शव कल पैतृक गांव के लिए रवाना होगा।

नशा खुरानी गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, एक आरोपी अब भी फरार

अररिया, एजेंसी। अररिया के पलासी थाना की पुलिस ने नशा खुरानी गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एसपी अमित रंजन ने बताया कि दो दिन पहले पश्चिम बंगाल के रहने वाले कबाड़ व्यवसायी को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर खिला दिया था और फिर लूट की घटना को अंजाम दिया था। घटना पलासी थाना क्षेत्र के मैना मोड़ के पास की है। पुलिस ने इनके पास से लूटी हुई बाइक, स्मार्टफोन और दो हजार रुपए बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक अन्य बाइक को भी जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों बदमाश मो इश्तियाक और जीतन मंडल पलासी थाना क्षेत्र के काशीबाड़ी का रहने वाले है। एसपी ने आगे बताया कि इस कांड में शामिल एक अन्य आरोपी का नाम और पता का सत्यापन किया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं कार्रवाई करने वाली टीम में पलासी थाना प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर मिथिलेश कुमार, पलासी थाना के अवर निरीक्षक अमित कुमार और मसरूर आलम शामिल थे।

चोरी की स्कॉर्पियो के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर/बंदरा, एजेंसी। हत्था थाने की पुलिस ने चोरी की स्कॉर्पियो के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। थाना पर गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए थानाध्यक्ष शशिरंजन ने बताया कि बुधवार दोपहर वाहन चेकिंग के दौरान सकरी मन में एक अनाज गोदाम के समीप से स्कॉर्पियो पर सवार दो व्यक्ति गाड़ी को घुमाकर भागना चाहा, जिसे पुलिस बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। जांच में स्कॉर्पियो चोरी की निकली, जो तीन जून को समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। मामले में कोयलाम के रामनरेश पासवान ने केस दर्ज कराया था। गिरफ्तार दोनों बदमाश समस्तीपुर जिला अंतर्गत कल्याणपुर थाने के सुरेश राय का पुत्र देवेंद्र राय व चकमेहसी थाने के सैदपुर के दीपन राय का पुत्र विजय कुमार बताया जाता है। संबंधित थाने को सूचना दे दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग में 45 हजार पदों पर निकलेगी वैकेंसी :विभाग की बैठक में लिया गया निर्णय

पटना, एजेंसी। बिहार स्वास्थ्य विभाग में जल्द 45 हजार पदों के लिए वैकेंसी निकलने वाली है। राज्य में आदर्श चुनाव आचार संहिता के खत्म होते ही कल गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की ओर से स्वास्थ्य विभाग सभागार में एक बैठक की गई है। इस बैठक में प्रदेश के युवाओं को जॉब देने के लिए निर्णय लिया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने जनता को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्ता सरकार की पहली प्राथमिकता बताया। स्वास्थ्य विभाग में मुख्यालय स्तर से लेकर क्षेत्रीय एवं स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्तर तक की सभी रिक्त पदों पर चार माह के अंदर नियुक्ति करने का निदेश स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को दिया गया।

नीतीश सरकार का प्लान - अब घर पर होगा आपके पशुओं का इलाज

पटना, एजेंसी। बिहार में अक्टूबर तक पशुपालकों के दरवाजे पर ही गाय, भैंस सहित अन्य पशुओं के इलाज की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। प्रत्येक प्रखंड में एक-एक पशु एंबुलेट्री वैन रहेगी। यह मोबाइल पशु चिकित्सा क्लीनिक का काम करेगी। प्रत्येक एंबुलेट्री वैन में एक पशु चिकित्सक, पशु चिकित्सा सहायक और एक ड्राइवर कम अटेंडेट होंगे। सात निश्चय पार्ट 2 के तहत यह काम होगा। संविदा पर सभी प्रखंडों के लिए 534 पशु चिकित्सक नियुक्त होंगे। उनको प्रति माह 65 हजार मानदेय मिलेगा। पशु चिकित्सा सहायक और एंबुलेट्री वैन चलाने के लिए ड्राइवर चयनित एजेंसी के माध्यम से लिया जाएगा। टोल फ्री नंबर से पशु के बीमार होने की सूचना मिलते ही एंबुलेट्री वैन पशुपालकों के द्वार पर पहुंच जाएगी। इस योजना के लिए 355 करोड़ का प्रावधान किया गया है। एक एंबुलेट्री वैन की कीमत 16 लाख रुपये है। सात निश्चय पार्ट 2 के तहत इस योजना का क्रियान्वयन किया जाना है। पशु व मत्स्य संसाधन विभाग ने इसके लिए तैयारी तेज कर दी है। एंबुलेट्री वैन संचालन में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की भूमिका है। 307 प्रखंडों में केंद्र सरकार जबकि 207 प्रखंडों में राज्य सरकार के माध्यम से एंबुलेट्री वैन की खरीद की जा रही है। 20 वैन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत खरीदी जाएगी।

टीकाकरण में मिलेगी मदद

पशुओं को विभिन्न रोगों के बचाव के लिए टीकाकरण योजना क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी। समय पर टीकाकरण कार्य पूरा करने में इससे काफी मदद मिलेगी। एंबुलेट्री वैन पशुओं का टीकारण सुरक्षित तरीके से पहुंचाने में सहायक होगी।

कृत्रिम गर्भाधान की भी सुविधा मिलेगी

एंबुलेट्री वैन में माइक्रोस्कोप सहित पशुओं के इलाज के लिए जरूरी उपकरण भी रहेंगे। पशुओं के इलाज के लिए सामान्य पैथोलॉजी की सुविधा रहेगी। आवश्यक दवाएं भी उपलब्धता रहेंगी। कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा भी होगी। इससे कृत्रिम गर्भाधान के लिए पशुओं को पशु अस्पताल लाने की आवश्यकता नहीं होगी। पशुपालकों को जागरूक करने के लिए आडियो-विजुअल विज्ञापन के साथ जीपीएस ट्रैकिंग की भी व्यवस्था होगी।

होटल के कमरे में फंदे से लटका मिला व्यवसायी का शव

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। हाजीपुर निवासी व्यवसायी अशरफ अली का शव गुरुवार शाम छह बजे भगवानपुर स्थित एक होटल के कमरा नंबर 303 में फंदे से लटका हुआ मिला। होटल कर्मियों ने शव देखने के बाद सदर थाने की पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फंदे से लटके हुए शव को उतारा। पोस्टमार्टम के लिए शव को एसकेएमसीएच भेजा गया है। होटल के कमरा की जांच एफएसएल से कराई जा रही है। होटल के स्टाफ धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अशरफ उसके होटल के पुराने ग्राहक थे। मार्केटिंग के लिए जब भी मुजफ्फरपुर आते थे तब वे इसी होटल में रुकते थे। पिछली बार 12 मई को इस होटल में ठहरे थे। दो दिनों पहले होटल में आए तो उनके लिए कमरा नंबर 303 बुक किया गया था। वह बुधवार को काम से बाहर निकले तो शाम में लौटे। गुरुवार सुबह में वह नहीं जगे। होटल स्टाफ कमरा साफ करने गया तो गेट नहीं खुला। तब मैनेजर को लगा कि सोए हुए हैं इसलिए डिस्टर्ब नहीं किया जाए। शाम तक होटल का न तो कमरा खुला और नहीं अशरफ बाहर निकले। शाम में लाइट जलाने के लिए धीरेंद्र पैसेज में आए तो उन्होंने अशरफ के रूम का गेट खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर धीरेंद्र ने गेट को धक्का देकर खोला। गेट खुलते ही फंदे से लटके हुए शव को देखा। रस्सी के फंदे से पंखा में शव लटक रहा था। पंखे पर फंदा लगाने के लिए कुर्सी लगाई गई थी। कुर्सी से नीचे अशरफ का पांव नीचे लटक रहा था। सदर थानेदार अस्मित कुमार ने बताया कि अशरफ का आधार कार्ड लिया गया है। उस पर भी पता हाजीपुर लिखा है। पूरा पता नहीं है। संपर्क नंबर दिया गया है वह स्वीच ऑफ है। होटल कर्मियों से पूछताछ की गई है। उसके बैग से भी कोई ऐसे कागजात नहीं मिले जिससे उसकी पहचान हो पाती। शव को कब्जे में लेकर कमरे की एफएसएल से जांच कराई जा रही है। उसका मोबाइल लॉक है, उसे खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

लखीसराय में ट्रेन में लगी आग, दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में किउल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मेमू ट्रेन में गुरुवार को अचानक आग लग गई। आग ने धीरे-धीरे ट्रेन की कई बोगियों को चपेट में ले लिया। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मौके पर लखीसराय से आठ और जमुई से दो दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि ट्रेन संख्या 13028 पटना-जसीडीह मेमू किउल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर खड़ी थी। थोड़ी देर में ट्रेन जसीडीह के लिए रवाना होने वाली थी। ट्रेन के अंदर कुछ पैसेंजर्स भी बैठे थे। करीब साढ़े 5 बजे ट्रेन से धुंआ उठा और देखते-देखते ट्रेन से आग की लपटें उठने लगीं। इसे देखकर ट्रेन में बैठे यात्री नीचे उतर कर इधर-उधर भागने लगे। इससे प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई। रेलवे अधिकारी ने बताया कि बैट्री पैनल में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है। फिलहाल, आग पर काबू पाने के बाद मामले की जांच की जाएगी।

एक बोगी पूरी तरह जल गई : रेल डीएसपी इजाज हाफिज मानी ने बताया कि ट्रेन में ब्रेक पॉइंट से धुआं उठने की संभावना जताई जा रही है। आग लगने के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा। किसी प्रकार की जानमाल की क्षति नहीं हुई है। एक बोगी पूरी तरह से जल गई है। बगल की बोगी भी जली है।

बचाव कार्य में जुटे रेलवे अधिकारी : आग लगने की सूचना पर स्टेशन के अधिकारी, आरपीएफ और जीआरपी जवान मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गए। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह ने

बताया कि ट्रेन में ब्रेक प्वाइंट से धुआं उठने की संभावना जताई जा रही है। आग लगने के अन्य कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

खाली कराया गया कोच : लोको पायलट अविनाश कुमार ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी है। दो घंटे में आग पर काबू पाया गया। आग लगने की सूचना पर अनाउंसमेंट करके कोच को खाली कराया गया।

आग लगने से ट्रेन परिचालन पर भी पड़ा असर : पटना-जसीडीह मेमू में आग लगने से ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ा है। रेलवे अधिकारी ने बताया कि डाउन में पाटलिपुत्र एक्सप्रेस एक घंटा विलंब से चलकर किऊल पहुंची। वहीं, दानापुर-भागलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस को हथिदह स्टेशन पर रुकी रही। मिथिला एक्सप्रेस को बड़हिया स्टेशन पर खड़ी रही। हालांकि, आग पर काबू पाने के बाद शाम साढ़े सात बजे के बाद ट्रेनों का परिचालन सामान्य कर दिया गया है।

बालू माफिया पर नीतीश सरकार कसेगी पूरी नकेल, गूगल मैपिंग कर घाटों की ऑनलाइन निगरानी

पटना, एजेंसी। बिहार में बालू माफिया की अब खैर नहीं। सरकार इसके लिए फुलप्रूफ प्लान बना रही है। सोन नदी के पूरे तट की गूगल से मैपिंग होगी। बालू के अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए विभाग ऑनलाइन निगरानी की व्यवस्था करने जा रहा है। खान एवं भूतत्व विभाग चौकसी बरतने की कर रहा तैयारी कर रहा है। पटना से लेकर रोहतास तक सोन नदी तटबंध की लंबाई करीब 150 किमी है। गूगल के ऑनलाइन मैप की मदद से पूरे इलाके की सघन फोटोग्राफी करवाई जाएगी। बालू के अवैध खनन की अधिक संभावना वाले स्पॉट को चिह्नित किया जाएगा। इन स्थलों का गूगल की मदद से को-ऑर्डिनेट (अक्षांश एवं देशांतर बिन्दु) भी लिया जाएगा। इससे अवैध खनन वाले स्पॉट को चिह्नित करने में मदद मिलेगी। इसका लाभ यह होगा कि त्वरित कार्रवाई के लिए इन स्थानों तक गूगल मैप या जीपीएस की मदद से आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इन सभी चुनिंदा स्थलों पर कैमरे लगाए जाएंगे। इन्हें विभाग में मौजूद कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा। इससे सभी संवेदनशील स्थानों की समुचित निगरानी हो सकेगी। इन कैमरों को सैटेलाइट या मोबाइल के जरिए जोड़कर निगरानी करने की व्यवस्था बहाल करने पर भी विचार किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर विभाग मंथन करने में जुटा है। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद जल्द ही इसे अमलीजामा पहनाया जाएगा।

यहां के बालू की मांग अधिक

सोन नदी का बालू सबसे बेहतरीन माना जाता है। यह बालू हल्का लाल और सुनहरे रंग का होता है। ढलाई और प्लास्टर दोनों के लिए काफी उपयुक्त है। इसकी मांग सबसे ज्यादा है। इसकी कीमत भी गंगा की सफेद रेत से दो से ढाई गुणा अधिक होती है। इसके करीब 130 से 140 घाटों पर अभी खनन कार्य चल रहा है।

आधा राजस्व सोन से

खनन विभाग को इसी नदी घाट से सबसे ज्यादा राजस्व की प्राप्ति होती है। बीते वित्तीय वर्ष में बालू खनन से करीब 3300 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली की गई थी। इसमें 50 से 55 फीसदी राजस्व इसी नदी घाटों से आता था। पूरे राज्य में रोजाना करीब 50 से 55 हजार चालान जारी होता है। इसमें करीब आधे चालान इन इलाकों के होते हैं। एक बालू लदे वाहन के लिए एक चालान जारी किया जाता है। यह ट्रक या ट्रैक्टर भी हो सकता है।

नेशनल हाईवे के मामले में बिहार फिसड्डी ? 1 हजार करोड़ नहीं हुए खर्च

पटना, एजेंसी। बिहार में नेशनल हाईवे (राष्ट्रीय उच्च पथ) मद में मिलने वाली राशि ससमय खर्च नहीं हो पा रही है। बीते दस वर्षों में जो पैसा बिहार को मिला, उसमें से अब भी एक हजार करोड़ बचे हुए हैं। यह स्थिति तब है जब देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2014-15 में बिहार को एनएच निर्माण के लिए विभिन्न योजनाओं में 666.67 करोड़ रुपये आवंटित हुए थे। इसमें से 560.73 करोड़ ही खर्च हो सका। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2015-16 में 826.9 करोड़ में से 767.38 करोड़ खर्च हुए। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 1480.92 करोड़ में से 1431.79 करोड़ तो 2017-18 में 1775.12 करोड़ में से 1706.89 करोड़ ही खर्च हो सके। वहीं, 2018-19 में 1633.47 करोड़ में से 1599.7 करोड़ ही खर्च हो सके। आगे के वर्षों का भी कुछ ऐसा ही अनुपात है। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों में बिहार को विभिन्न मदों से एनएच बनाने को 17045.37 करोड़ मिले, जिसमें से मात्र 15971.49 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके। खर्च नहीं होने वाली राशि 1073.88 करोड़ में से अकेले विगत वित्तीय वर्ष की एक तिहाई से अधिक 396.54 करोड़ है। एनएच निर्माण मद का पैसा खर्च नहीं होने के कारण बिहार में एनएच की लंबाई अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ पा रही है। बिहार में अभी एनएच की कुल लंबाई 5955.95 किलोमीटर है। देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी मात्र 4.04 फीसदी है। यही नहीं साल दर साल एनएच के मामले में बिहार की भागीदारी कम ही होती जा रही है। वर्ष 2005 में देश के कुल एनएच में बिहार की भागीदारी 5.4 फीसदी थी जो घटकर 4.04 फीसदी हो गई है।

बिहार में प्रति लाख आबादी पर 4.54 किमी एनएच

आबादी के दृष्टिकोण से देखें तो एक लाख की आबादी पर एनएच का राष्ट्रीय औसत 10.90 किलोमीटर है। सबसे अधिक अरुणालच प्रदेश में एक लाख की आबादी पर 183.5 किलोमीटर एनएच है। दूसरे पायदान पर मिजोरम में 130.4 किलोमीटर और तीसरे पायदान पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 87 किलोमीटर एनएच है। बिहार में एक लाख की आबादी पर मात्र 4.54 किलोमीटर ही एनएच है। राज्य के पड़ोसी राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल की स्थिति बिहार जैसी ही है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक 17 हजार 757 किमी एनएच

बिहार में प्रति हजार वर्ग किलोमीटर 63.24 किलोमीटर एनएच है। देश में सबसे अधिक महाराष्ट्र में 17 हजार 757 किमी एनएच है। कुल एनएच में इसकी भागीदारी 13.40 फीसदी है। दूसरे पायदान पर उत्तर प्रदेश में 11 हजार 737 किलोमीटर है और कुल एनएच में इसकी भागीदारी 8.86 फीसदी है। तीसरे पायदान पर राजस्थान में 10 हजार 342 किलोमीटर एनएच है और देश में इसकी भागीदारी 7.81 फीसदी है। क्षेत्रफल की दृष्टि से देखें तो प्रति हजार वर्ग किलोमीटर सबसे अधिक एनएच 196.4 किलोमीटर एनएच दमन और दीव में है। दूसरे पायदान पर 134 किमी एनएच चंडीगढ़ तो तीसरे पायदान पर दिल्ली में 105.9 किमी है। देश का औसत 39.90 किलोमीटर है।

स्वच्छ वातावरण में कदाचारमुक्त करायी जायेगी आईटीआई प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा : उप विकास आयुक्त

बीएनएम। मोतिहारी

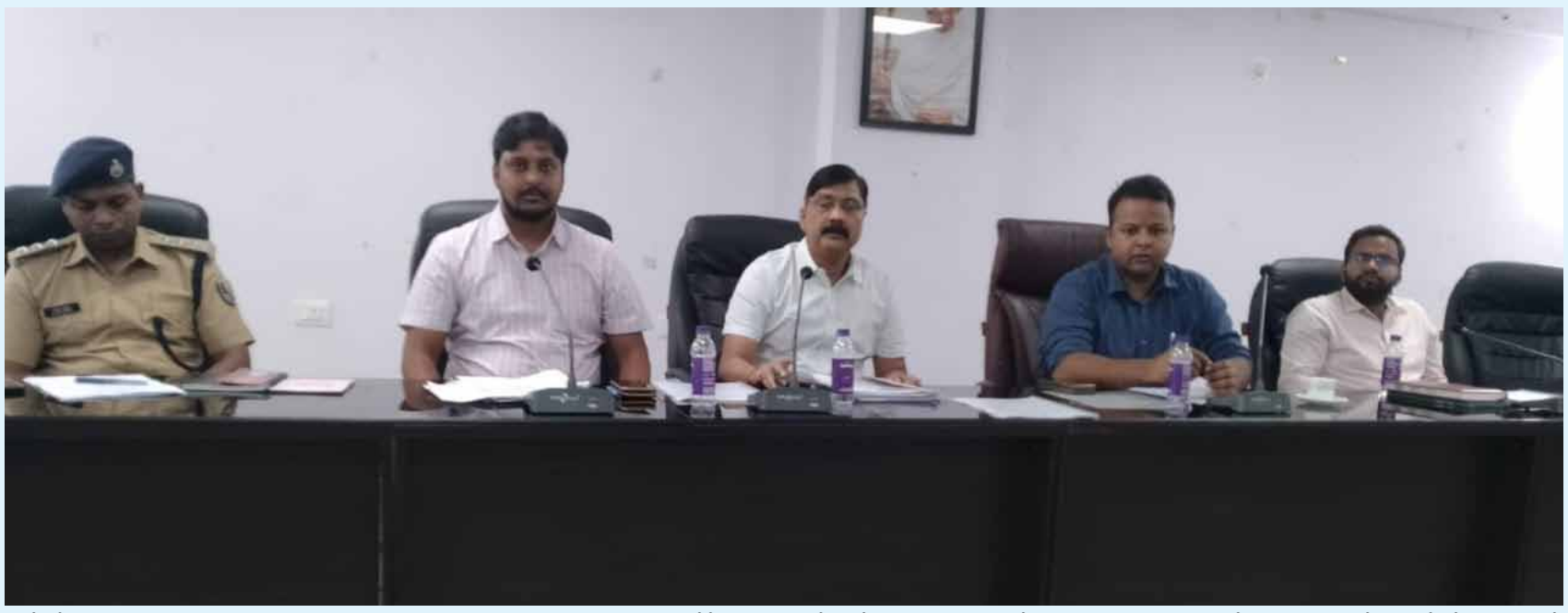

परीक्षा नियंत्रक,बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद, पटना से प्राप्त पत्र के आलोक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा को स्वच्छ निष्पक्ष एवं कदाचार रहित वातावरण में संपन्न कराने को लेकर पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद सभा भवन, मोतिहारी में केन्द्राधीक्षक, प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त समीर सौरभ के द्वारा संयुक्त ब्रिफिंग में कहा गया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा(ITI CAT)-2024 को स्वच्छ वातावरण में कदाचार मुक्त संपन्न करायी जायेगी। यह परीक्षा जिला में कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर नौ जून को 11:00 बजे पूर्वाह्न से 1:15 बजे अपराह्न तक संपन्न कराई जाएगी जिसमें कुल 6207 परीक्षार्थी भाग लेंगे।परीक्षा एक पाली में ली जायेगी। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को सुबह 8:00 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति रहेगी। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पहले अर्थात 10:45 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केन्द्रों पर विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी को परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केन्द्रों की 200 मीटर की परिधि में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू करने का निर्देश दिया गया है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर स्टैटिक दण्डाधिकारी, वरीय दण्डाधिकारी/केंद्र प्रेक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है जो स्वच्छ वातावरण में परीक्षा सम्पन्न करायेंगे तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़ न लगे इसे सुनिश्चित करायेगें। इसके अतिरिक्त गश्ती दल दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है जो विधि व्यवस्था सहित शहरी क्षेत्र में फोटो स्टेट की दुकान पर विशेष नजर रखेंगे तथा परीक्षा केन्द्र के निकट के फोटो स्टेट के दुकानों को बंद करा देगें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 7:00 बजे पूर्वा० तक अपनी प्रतिनियुक्ति स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा केन्द के भीतर परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनाधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की तलाशी निश्चित रूप से करा ली जाय। कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाईल, ब्लूटूथ, पेजर, आदि लेकर नहीं जायेगा। परीक्षार्थी फुल शर्ट एवं जूता पहनकर केंद्र में प्रवेश नहीं करेंगे। हाफ शर्ट और चप्पल पहन कर परीक्षा देने परीक्षा केंद्र पर जाएंगे। परीक्षा में कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने एवं आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर जैमर लगाने का आदेश निर्गत है। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जाएगी। सभी केन्द्राधिक्षकों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्ष में बैठने सम्बधी सीट प्लान की एक प्रति मुख्य प्रवेश द्वार पर तथा एक प्रति सूचना पट पर लगाना सुनिश्चित करेगें। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिला अन्तर्गत परीक्षा के सफल संचालन की सम्पूर्ण व्यवस्था के वरीय प्रभार में अपर समाहर्त्ता मुकेश कुमार सिन्हा रहेंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र पर पुलिस बल की यह जबावदेही रहेगी कि किसी भी परिस्थिति में परीक्षा केन्द्र प्रभावित नहीं हो। परीक्षा केन्द्र पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, वीक्षक के पास मोबाईल फोन नहीं रहेगा। उड़नदस्ता दल के पदाधिकारी भी मोबाईल लेकर परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश नहीं करेंगे। मीडिया कर्मियों के परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। परीक्षा के दिन 07:00 बजे पूर्वा० से परीक्षा समाप्ति तक 06252- 242418 पर जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा जिसका वरीय प्रभारी डीपीओ, आईसीडीएस को बनाया गया है। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय प्रशाखा, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा भी सभी को संबोधित किया गया।

युवती की गर्दन रेत कर हत्या, ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्रांतर्गत सिंगरहिया में एक युवती की गर्दन रेत कर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आई है। युवती को करीब दर्जन बार चाकू से प्रहार किया गया है। मृतक का शव घर से करीब दो सौ मीटर की दूरी पर सरेह से शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। मृत युवती सिंगरहिया गाँव निवासी अब्बास राय की 19 वर्षीय पुत्री सूफियाना खातून है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थानाध्यक्ष शंभू कुमार मांझी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे शव को कब्जे में कर अंत्यपरीक्षण हेतु मोतिहारी भेज दिया है। साथ ही घटना के संबंध में गहन जांच पड़ताल में जुट गयी है। हालांकि मामले को लेकर गांव के लोग कुछ भी विशेष बताने से इनकार कर रहे हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि गुरुवार की रात्री करीब 8:30 बजे खाना खा कर सूफियाना गाँव पास दरवाजे पर हीं थीं। तभी वहां से अचानक गायब हो गयी। रात्री में खोजबीन भी की गयी। लेकिन कोई अता पत्ता नहीं चल सका। मृतक के मामा का घर बगल के गाँव में होने के कारण शक हुआ कि वहाँ गयी होगी। रात्रि करीब दो बजे सभी लोग खोज ढूंढ कर सो गए। सुबह में शौच करने गये ग्रामीणों ने शव को खेत में देखा तो जानकारी परिजनों को मिली। तब घटना स्थल पर पुलिस पहुँची। मामले के संबंध में सिकरहना डीएसपी अशोक कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। कई बिंदुओं पर जाँच चल रही है। हत्या के कारण के बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नही कहा जा सकता है। हालांकि परिजन जमीनी विवाद भी बता रहे हैं। परिजनों के तरफ से अभी आवेदन नहीं मिला है।

कालाजार उन्मूलन की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा है पूर्वी चम्पारण

- घोड़ासहन, अरेराज, पताहीं, रामगढ़वा प्रखंड में पिछले 3 वर्षों से नहीं मिले कालाजार के मरीज
- वर्ष 2024 में मई माह तक जिले में मिले मात्र 6 कालाजार के मरीज

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के घोड़ासहन, अरेराज, पताहीं और रामगढ़वा प्रखंड में पिछले 03 वर्षों से नहीं कालाजार के एक भी मरीज नहीं मिले है। इसके अलावे वर्ष 2024 में मई माह तक जिले में मात्र 6 कालाजार एवं 2 पीकेडीएल के मरीज मिले हैं। उक्त आंकड़ा इस अभियान पर बल देता है कि 27 प्रखंडों वाला जिला पूर्वी चम्पारण से कालाजार बीमारी का उन्मूलन काफी तेजी से हो रहा है। इस संबंध में जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि इस वर्ष 23 प्रखंडों में ही सिंथेटिक पाराथराईड दवा की छिड़काव 05 जून से 16 अगस्त तक से अगले 60 दिनों तक कार्य दिवस तक किया जाएगा। ताकि बालू मक्खियों का समूल नष्ट हो सकें। भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि 113 राजस्व गांवों,110 पंचायतों व 182888 घरों में कुल 912867 जनसंख्या वाले इलाकों में दवा की छिड़काव होना है। उन्होंने बताया कि कुल छिड़काव दल 50 हैं। जिन्हें छिड़काव हेतु प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

4 सालों में कालाजार के 75 प्रतिशत तक कम हुए मरीज- राज्य मे पूर्वी चम्पारण जिला कालाजार के मरीजों के इलाज व जागरूकता में काफी अग्रणी साबित हो रहा है। यहां पिछले 4 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार कालाजार के मामलों में काफी कमी आ रही है। वर्तमान में इस जिले में 75 प्रतिशत तक मरीजों के मामलों में कमी आ चुकी है।वर्ष 2018-196, 2019- 119, 2020- 69, 2021-67, 2022-67,2023-26,2024-06 भीएल(कालाजार)के मरीज प्रतिवेदित हुए है।पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य विभाग के अथक प्रयास व जागरूकता के कारण जिले में कालाजार के मरीजों की संख्या काफी कम हो गई है।

कालाजार मरीजों की होती है निगरानी- वीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि कालाजार के मरीजों का फॉलोअप जांच 1 माह, 6 माह एवं 12 माह पर की जाती एवं रिपोर्ट को पुनः कामिश वेब पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। जिसकी निगरानी जिला स्तर के पदाधिकारियों द्वारा की जाती है।

पूर्वी चंपारण के 27 प्रखंडों में कालाजार के मरीजों की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है।कालाजार से बचाव को लेकर जागरूकता के लिए प्रचार रथ, माइकिंग कराया जाता है, ताकि लोग कालाजार से बचाव को लेकर सरकार के संदेश जान सकें।

राज्य व केंद्र सरकार द्वारा कालाजार के मरीजों को की जाती है आर्थिक सहायता- राज्य व केंद्र सरकार के द्वारा कालाजार के मरीजों के आर्थिक सहायता हेतु 66 सौ रुपए दी जाती है। वहीं भारत सरकार द्वारा 500 अलग से दी जाती है। उन्हें कुल 7100 रुपयों की आर्थिक सहायता दी जाती है। कालाजार होने पर व्यक्ति को 2 हफ़्तों से ज्यादा बुखार , तिल्ली का बढ़ जाना, भूख नहीं लगना, वजन में कमी, चमड़े पर दाग होना तथा खून की कमी बड़ी तेजी से होने लगती है।

बिजली को लेकर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों को घंटो बनाया बंधक

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

जिले के सुगौली प्रखंड के सुकुल पाकड़ पंचायत में 32 घंटे से बिजली नही मिलने से आक्रोशित ग्रामीणो ने अपने पंचायत के मुखिया और सरपंच को एक दुकान में बंदकर घंटों बंधक बना लिया।ग्रामीण पिछले दो दिनो से बिजली आपूर्त्ति बाधित होने से आक्रोशित थे। इन लोगो ने पंचायत के मुखिया अशफाक अहमद, पूर्व मुखिया ब्रह्मदेव सहनी,सरपंच ओम प्रकाश सिंह,पूर्व सरपंच रविन्द्र सहनी,उप मुखिया जग सहनी को घंटो बंधक बनाये रखा। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों पर आरोप लगाया कि बिजली विभाग के एसडीओ और कनीय अभियंता सुगौली फोन पर उभोक्ताओं से बात नही करते है।गर्मी से लोग परेशान हैं इस परिस्थिति में बिजली नही रहने से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के घरों में अंधेरा रह रहा है,वही लाइट नही रहने से पीने के पानी भी मयस्सर नही हो पा रहा है। लोग लगातार परेशानी झेलने को अभिशप्त है।पड़ती है।बिजली के आने के इंतजार में लोग घर से बाहर निकल कर बैठे रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि थोड़ी सी आंधी-पानी से बिजली का खंभा गिर जाता है,क्योकी खंभों को मात्र एक-दो फीट गहरा गाड़ा गया है।जो हल्की हवा के झोंकों को भी बर्दाश्त नही कर पाता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग के कर्मियों के पास फोन करने पर वे लोग फोन नही उठाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि अगर कोई काम जल्दी करवाना होता है तो हजारों रुपये देने पड़ते है फिर भी परेशान किया जाता है।मौके पर अमर किशोर पटेल,मनोज सहनी बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

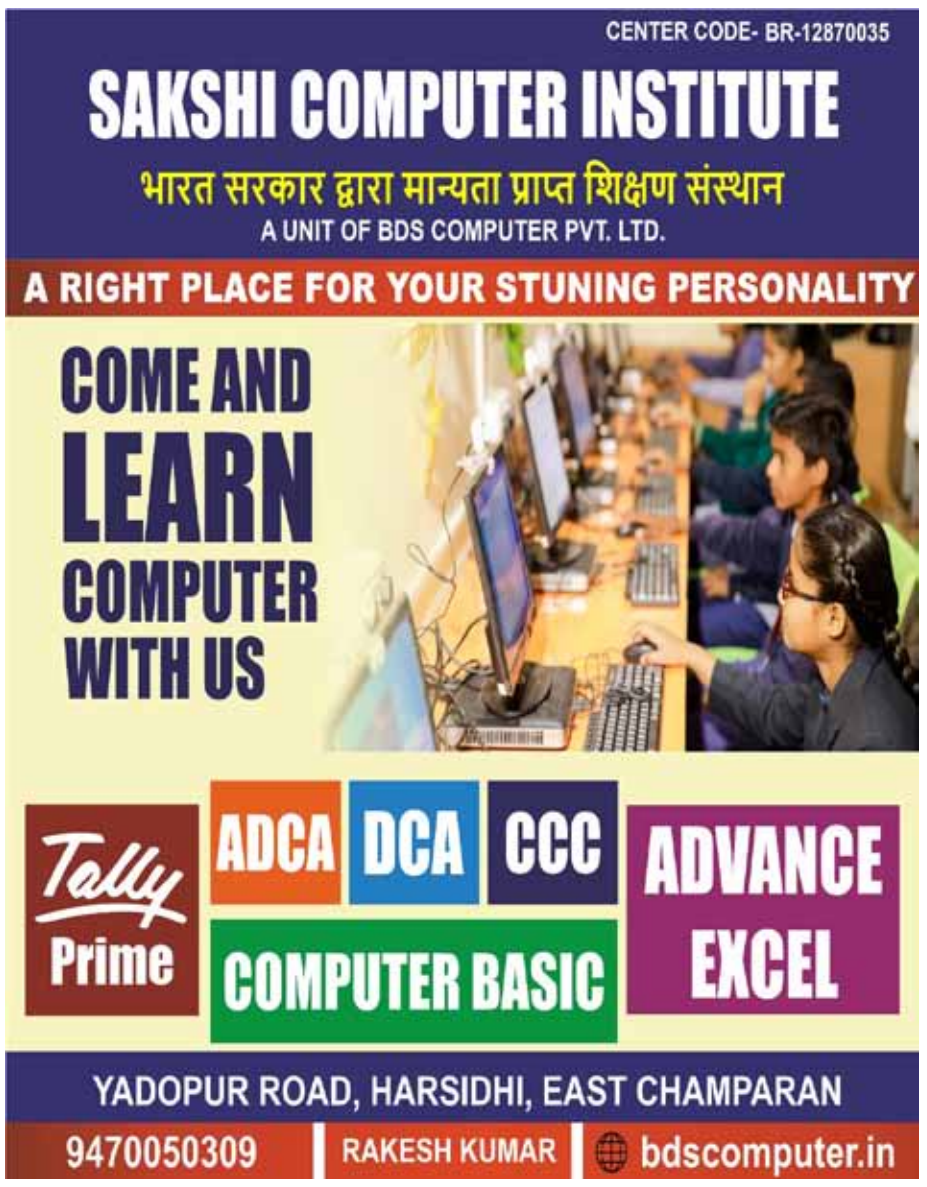

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

अवैध अतिक्रमण से कराह रहा बाजार का मुख्य पथ

बीएनएम। सुगौली। मृत्युंजय पाण्डेय

- टैक्स देने के बावजूद लोगों को उनके अधिकारों और सुविधाएं से वंचित रखना प्रशासनिक भ्रष्टाचार नहीं तो क्या है?
- पूर्व में एक आध बार अतिक्रमण हटा लेकिन अगले ही दिन लोग फिर से कर लेते हैं सड़क पर अवैध कब्जा
- लोगों का शक, कहा प्रशासन चढ़वा लेकर करता है दिखावा

अंतरराष्ट्रीय महत्व के ऐतिहासिक शहर सुगौली नगर पंचायत के बाजार के मुख्य मार्ग पर अवैध पटरी दुकानदारों,ठेला वालों तथा स्थानीय दुकानदारों के द्वारा विक्री करने के लिए रखे गए सामानों ने स्थानीय बाजार के मुख्य सड़क को अपने कब्जे में ले लिया है। जिससे लगभग प्रतिदिन उस सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। दिन की भीषण गर्मी और मुख्य सड़क पर साईकिल, मोटरसाइकिल,चार पहिया, मालवाहक छोटे चारपहिया वाहनों के बाजार मुख्य सड़क से अनवरत आवागमन ने पैदल बाजार जा रहे लोगों को एक तरफ संकट में डाला ही है तो दूसरी तरफ हमेशा जानलेवा दुर्घटना का डर लोगों में बना रहता है। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों सरेराह बाजार के मुख्य सड़क पर जाम के कारण एक बुजुर्ग को ई-रिक्शा ने बैंक करने के दौरान टक्कर मार दिया। जिससे बुजुर्ग के कमर में घातक चोट लग गयी।कुछ दिनों के ईलाज के बाद घायल बुजुर्ग की मौत हो गयी। जानकारी के मुताबिक उक्त बुजुर्ग मृतक सुगौली गांव निवासी नाटा साह बताए जाते हैं जिनका एक होटल स्थानीय सुगौली स्टेशन के पास है। जानकारों के मुताबिक ये पहली घटना नहीं है।ऐसी घटनाएं बाजार मुख्य पथ पर अक्सर घटती रहती हैं जिसमें लोग आंशिक घायल और बुरी तरह से घायल होते रहते हैं। लेकिन इन घटनाओं का संज्ञान लेने वाला न तो नगर पंचायत प्रशासन है न अंचल प्रशासन और ना ही पुलिस प्रशासन।अब ऐसा क्यों होता है ये जांच का विषय है। जानकारों का कहना है कि पूर्व के अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने बजार मुख्य सड़क से पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाया था। हालांकि इनके इस, अतिक्रमण अभियान का बाजार के वीआईपी दुकानदारों ने दबी जुबान में विरोध भी किया था,साथ ही ऐन केन प्रकारेण सीओ श्री गुप्ता पर दबाव बनाने का भी प्रयास किया था। लेकिन स्थानीय मीडिया और प्रखंड के सुदूर क्षेत्रों से अपने जरुरत का सामान लेने बाजार आने वाले लोगों के रुख को देख कर अतिक्रमण स्थगित करने का दबाव काम नहीं आया। जानकारों का ये भी कहना है कि बाजार के मुख्य सड़क पर आजीविका के लिए दिन भर ठेला भेंड़रों की आवाजाही तो लगी ही रहती है। लेकिन सबसे बड़ी बात है बाजार के व्यवसायियों द्वारा अपने दुकान क्षेत्र से आगे बढ़कर सड़क के बेहद करीब विक्री के सामानों को सजा देना।साथ ही जानकारों की मानें तो जो दुकानदार अपने सामान सड़क के किनारे नहीं रख पातें हैं वे अपने दुकान के सामने वाला सड़क का हिस्सा पटरी वाले अस्थाई दुकानदारों और ठेला वालों को दे देते हैं और उसके एवज में उन पटरी और ठेला वालों से मासिक भाड़ा वसूलते हैं।हद तो तब हो जाती है जब इन बातों की जानकारी स्थानीय नगर पंचायत प्रशासन, अंचलाधिकारी तथा पुलिस को रहने के बावजूद कोई भी अधिकारी इधर का रुख क्यों नहीं करता है? ये जांच का विषय है। लोकतंत्र में टैक्स का भुगतान करने के बावजूद लोगों को उनका वाजिब अधिकार और सुविधाएं नहीं मिल पाना प्रशासनिक भ्रष्टाचार को ही उजागर करता है।

शांति पूर्ण पंचायत समिति की हुई बैठक

बीएनएम। रामगढ़वा

प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को पंचायत समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख रीता देवी ने किया। बैठक में पूर्व की बैठक के कार्यवाही की समीक्षा के बाद प्रखंड के विकास की रूपरेखा तैयार किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्यों ने उनके निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। ईसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल विकास परियोजना, जन वितरण इत्यादि विभागों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के अंतर्गत नल जल योजना को पीएचईडी को सौपे जाने के बाद भी इसके सही रूप से क्रियाशील नहीं होने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वहीं सदस्यों ने आंधी के बाद कई गांव में पेड़ों के गिरने के कारण बिजली के तार टूटने और विद्युत आपूर्ति बाधित होने की बात उठाई। साथी बताया गया कि कई गांव में पुराने ट्रांसफार्मर लोड को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसके जवाब में बैठक में उपस्थित स्थानीय विधायक इंजीनियर शशि भूषण सिंह ने कहा कि वैसे गांव जहां ट्रांसफार्मर काफी पुराने हो चुके हैं एवं जिनकी लोड कैपेसीटी कम है उनको बदला जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है। इसकी सूची की मांग इन्होंने की।कार्यपालक पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मो सज्जाद ने कहा कि इस प्रचंड गर्मी में सूखने वाले चापाकलो की सूची की मांग की ताकि पीएचडी से इसको सुचारु किया जा सके। इन्होंने यह भी कहा कि संभावित बाढ़ को लेकर शीघ्र ही जनप्रतिनिधियों की एक और बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में उप प्रमुख अविनाश कुमार पांडेय उर्फ अरविंद पांडेय, बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एन डी सिंह, मनरेगा पीओ अमृतेश कुमार, स्वच्छता बीसी घनश्याम कुमार के साथ कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं प्रतिनिधियों में मुखिया अशोक कुमार सिंह, धीरज कुमार गुप्ता, शिवचंद्र प्रसाद यादव, समिति सदस्यों में जई साह, अवधेश चौरसिया, अजय कुमार, लालबाबू यादव, मोहम्मद आजाद, नन्हे राजकुमार, शारदा देवी, शांति देवी, विनोद सा, राजकमल ठाकुर इत्यादि मौजूद रहे।

मोतिहारी में राज्यस्तरीय अंडर-17 शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

बिहार राज्य अंडर 17 शतरंज प्रतियोगिता एसएस राय ट्रॉफी का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मोतिहारी शहर के अगरवा स्थित एस. एस. राय विवाह भवन में जिला खेल पदाधिकारी गौरव कुमार एवं रोटरी प्रेसिडेंट डॉ एलबी प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया गया। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि मोतिहारी में राज्यस्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन गर्व की बात है। पूर्वी चंपारण जिला शतरंज संघ द्वारा लगातार शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । जिससे खिलाड़ियों में उत्साह है। उन्होंने कहा इस आयोजन में जिला प्रशासन की तरफ से यथा संभव मदद की जाएगी। रोटरी मोतिहारी के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ एल बी प्रसाद ने कहा कि शतरंज से खिलाड़ियों का मानसिक एवम बौद्धिक विकास होता है। नन्हें शतरंज बाजीगरों को इस गर्मी में लू से बचने के उपाय भी बताएं। राज्यस्तरीय आयोजन के सचिव धनंजय कुमार ने बताया कि में प्रतियोगिता में बिहार राज्य के लगभग सभी जिलों के करीब 100 से भी अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिसमे राज्य के टॉप रेटेड खिलाड़ी देव राज, रेटिंग 1684 मनीष यादव (रेटिंग 1609,तेजस शांडिल्य रेटिंग 1585, प्रत्युष कुमार रेटिंग 1585 के साथ साथ मोतिहारी से नंदनी, अर्पिता, देवेश पाठक भी भाग ले रहे है।

टूर्नामेंट में बालक - बालिका दोनो वर्गो में शीर्ष 2-2 खिलाड़ियों का चयन अगले माह चंडीगढ़ में होने वाले राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता अंडर 17 के लिए किया जाएगा जो बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राजनीतिक द्वेष से कराये गये मुक़दमा वापस नहीं लेने तक आंदोलन जारी रहेगा: वीरेंद्र गुप्ता

बीएनएम। बेतिया

इंडिया महागठबंधन और मुखिया महासंघ, पश्चिम चम्पारण के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने शुक्रवार को बेतिया शहर में न्याय मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सभा किया। सभा के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी के अनुपस्थित में डीएम राजीव कुमार सिंह को स्मार पत्र दे मुकदमा वापस लेने का बात कही। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने कहा केन्द्र सरकार जिस तरह अपने राजनीतिक विरोधियों को ईडी. सीबीआई, आईबी व अन्य संस्थाओं के द्वारा डरा धमका फर्जी मुकदमों में जबरन जेल भेज रही है वैसे ही यहां भाजपा अपने राजनीतिक विरोधी पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को प्रशासन को मेल में लेकर मुकदमा द्वारा प्रताड़ित कर रही है। विगत लोकसभा चुनाव में एन० डी० ए० प्रत्याशी के खिलाफ इंडिया महागठबंधन के लिए चुनाव प्रचार-प्रसार करने के वजह से चुनाव प्रक्रिया के दौरान ही भाजपा सांसद संजय जयसवाल और नौतन विधायक नारायण प्रसाद द्वारा भाकपा (माले) नेता और मुखिया नवीन कुमार के पंचायत पर जाँच बैठवा दिया गया। चुनाव बितते बैरिया थाने में काण्ड संख्या- 179/24 दर्ज करा दिया गया। मुखिया महासंघ के जिला अध्यक्ष अफसर इमाम ने कहा पूर्व में भी नौतन विधायक द्वारा पटना में प्रधान सचिव, उप मुख्यमंत्री को आवेदन देकर बैरिया पंचायत का जाँच कराया जा चुका है। जाँच में उनका आरोप निराधार निकला। राजद के मुख्य प्रवक्ता प्रभु यादव ने कहा बैरिया थाना परिसर में नवम्बर में पन्द्रवी वित्त आयोग मद से ग्राम पंचायत द्वारा छठ घाट, सीढ़ी निर्माण कराया गया। उसी तालाब के किनारे पंचायत समिति मद से तालाब से मिट्टी काटकर छठा वित्त आयोग मद द्वारा छठ घाट बनाया गया तथा ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा द्वारा छठ घाट केप्रांगण में मिट्टी भराई तथा पेबर ब्लॉक का कार्य कराया गया है। कार्यक्रम में माले नेता मंगल चौधरी, फरहान राजा,रिखी साह, जवाहर प्रसाद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने भारी मात्रा में शराब,हथियार व गोली के साथ चार अपराधी को गिरफ्तार किया

बीएनएम। सहरसा

सदर थाना में एसडीपीओ आलोक कुमार एवं साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने शुक्रवार को बताया कि हथियार के साथ दो एवं शराब बरामदगी मामले मे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने कहा कि गुप्त सूचना के आधार पर टीओपी टू प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक सनोज वर्मा एवं संध्या गश्ती पदाधिकारी पुलिस अवर निरीक्षक रूपा कुमारी एवं सशस्त्र बल के सहयोग से बटराहा वार्ड नंबर 36 स्थित बबलू कुमार पिता लक्ष्मी साह के घर पर छापामारी किया गया तो उनके किराना दुकान एवं उनके निशानदेही पर दुकान के सामने लगे कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब एवं बरामद में किया गया है। साथ ही प्राथमिक अभियुक्त बबलू कुमार पिता स्वर्गीय लक्ष्मी साह एवं सुजाता कुमारी पति बबलू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इस संदर्भ में सदर थाना में बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि उक्त कारोबारी के पास से मैकडॉवेल नंबर वन ब्रांड के 750 एमएल का 35 बोतल एवं मैग्नम ब्रांड के 500 एमएल का 190 बोतल शराब, एक मारुति कार एवं एक स्कूटी बरामद किया गया है।उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर सदर थाना क्षेत्र के कांड संख्या 503/ 24 के प्राथमिक अभियुक्त कहरा निवासी नवकांत झा के पुत्र संजय झा कहरा स्थित अपने निर्माणाधीन शिव मंदिर के प्रांगण में एक अन्य साथी के साथ हथियार लेकर बैठा है। प्राप्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार एवं तकनीकी शाखा के सहयोग से छापामारी कर प्राथमिक अभियुक्त संजय झा एवं बटराहा वार्ड नंबर 36 निवासी बद्री यादव के पुत्र रमन यादव को एक अवैध आग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के पास मेड इन जर्मनी एक पिस्टल 6 जिंदा कारतूस दो मोबाइल एक मैगजीन बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए संजय झा कुख्यात अपराधी व दबंग प्रवृत्ति के लोग है।वही शहर में दहशत फैलाने हेतु खुलेआम फायरिंग भी कर चुका है।साथ ही भू-माफिया होने के कारण पहले से ही कई मामला दर्ज है। उन्होंने बताया कि इसके ऊपर अभी तक 17 आपराधिक इतिहास की जानकारी मिली है। वहीं दो कांड में वांछित भी है।ये समाज के लिए खतरा बन चुके हथियार के व्यापार में भी उनकी संलिप्तता होने की जानकारी मिली है।

निरीक्षण में चिकित्सीय व्यवस्था को और बेहतर करने का दिया निदेश

बीएनएम। केसरिया

सिविल सर्जन विनोद कुमार सिंह ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केसरिया का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के दवा वितरण काउंटर, ओपीड़ी, इमरजेंसी आदि सुविधाओं की जानकारी ली। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना को अस्पताल की चिकित्सीय व्यवस्था को और बेहतर करने का निदेश दिया। साथ हीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आसपास अवैध रूप से संचालित निजी अस्पताल, जाँचघर व अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जाँच कर कार्रवाई करने को कहा। निरीक्षण के उपरांत सीएस ने कदम चौक स्थित मेडिसिटी हॉस्पिटल की जाँच की। सीएस ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निदेश देते हुए कहा कि उक्त हॉस्पिटल पर जुर्माना लगाते हुए अग्रतर कार्रवाई करें। निरीक्षण के दौरान सीएस के साथ अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण पासवान भी साथ रहे। निरीक्षण के समय सीएचसी के डॉ अंशुमान पाण्डेय, लिपिक मयंकेश्वर चौबे, लिपिक नंदकिशोर शर्मा, अनिकेत वर्मा, नित्यानंद कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

संपादकीय

रोकनी होगी भोजन की बर्बादी?

रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताएं मानी जाती है। जिसके बिना मनुष्य का जीवन बहुत मुश्किल है। इसमें रोटी सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि रोटी के बिना तो मनुष्य जिन्दा भी नहीं रह सकता है। खाद्य सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित किया जाना है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में हर दस में से एक व्यक्ति दूषित भोजन का सेवन करने से बीमार पड़ जाता है। जो कि सेहत के लिए एक बड़ा खतरा है। कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुए इस बार विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस संक्षिप्त रूप में मनाया जाएगा। जिसमें लोगों को सेहत से जुड़े मुद्दों पर ऑनलाइन एक-दूसरे के साथ बातचीत करने का मौका मिलेगा। इस बार हम छठवां विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार इससे खाद्य सुरक्षा लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा सकती है और विश्व स्तर पर खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों को भी ध्यान में लाया जा सकता है। इस दिन को मनाने के पीछे खाद्य सुरक्षा के प्रति लोगो को जागरूक करने का उद्देश्य था। जो खराब भोजन का सेवन करने की वजह से गंभीर रोगों के शिकार बन जाते हैं। भोजन की कमी व दूषित भोजन खाने से प्रतिवर्ष हजारों लोगों की जान चली जाती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और खाद्य और कृषि संगठन को दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों का नेतृत्व करने और पौष्टिक खाने के प्रति लोगों को जागरुक करने की जिम्मेदारी दी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 2018 में पहली बार खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया था। इसके बाद पहली बार 7 जून 2019 में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाने लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में अपने मन की बात कार्यक्रम में देश की जनता से बात करते हुए लोगों से खाने की बर्बादी रोकने की अपील की थी। उन्होने कहा कि ऐसा करना गरीबों के साथ अन्याय व समाजद्रोह है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि आपने कभी सोचा है कि हम जो जूठन छोड़ देते हैं। उससे हम कितने गरीबों का पेट भर सकते है? उन्होने कहा था कि इस पर सामाजिक जागरूकता बढनी चाहिए।

भारत में अनाज को अन्नदेव का दर्जा प्राप्त है। यही कारण है कि हमारे देश में भोजन झूठा छोडना या उसका अनादर करना पाप माना जाता है। मगर आधुनिकता के चक्कर में हम अपने पुराने संस्कार भूल गए हैं। हमारे यहां शादियों, उत्सवों या त्यौहारो में होने वाली भोजन की बर्बादी से हम सब वाकिफ हैं। इसके उपरांत भी हम इन अवसरों पर ढेर सारा खाना कचरे में फेंक है। कई बार तो घरों के आसपास फेंके गए भोजन से उठने वाली दुर्गंध एवं सड़ांध वहां रहने वालों के लिए परेशानी खड़ी कर देती हैं। शादियों में खाने की बर्बादी को लेकर भारत सरकार भी चिंतित है। खाद्य मंत्रालय ने कहा है कि वह शादियों में मेहमानों की संख्या के साथ ही परोसे जाने वाले व्यंजनों की संख्या सीमित करने पर विचार कर रहा है। इस बारे में विवाह समारोह अधिनियम, 2006 कानून भी बनाया गया है। हालांकि इस कानून का कड़ाई से कहीं भी पालन नहीं किया जाता है।

भारत में हर वर्ष जितना भोजन तैयार होता है उसका एक तिहाई बर्बाद चला जाता है। बर्बाद जाने वाला भोजन इतना होता है कि उससे करोड़ो लोगों की खाने की जरूरत पूरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारत में बढ़ती सम्पन्नता के साथ ही लोग खाने के प्रति असंवेदनशील हो रहे हैं। खर्च करने की क्षमता के साथ ही खाना फेंकने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। विश्व खाद्य संगठन के अनुसार देश में हर साल पचास हजार करोड़ रूपये का भोजन बर्बाद चला जाता है। एक ऑकलन के मुताबिक बर्बाद होने वाले भोजन की धनराशि से पांच करोड़ बच्चों की जिदगी संवारीं जा सकती है।

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य अपव्यय को रोके बिना खाद्य सुरक्षा सम्भव नहीं है। इस रिपोर्ट में वैश्विक खाद्य अपव्यय का अध्ययन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से करते हुए बताया है कि भोजन के अपव्यय से जल,जमीन और जलवायु के साथ साथ जैव-विविधता पर भी बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक हमारी लापरवाही के कारण पैदा किए जाने वाले अनाज का एक तिहाई हिस्सा बर्बाद कर दिया जाता है। देश में एक तरफ करोड़ो लोग खाने को मोहताज है। वहीं लाखों टन खाना प्रतिदिन बर्बाद किया जा रहा है। हमारे देश में हर साल उतना गेहूं बर्बाद होता है, जितना आस्ट्रेलिया की कुल पैदावार है। नष्ट हुए गेहूं की कीमत लगभग 50 हजार करोड़ रुपये होती है और इससे 30 करोड़ लोगों को सालभर भरपेट खाना दिया जा सकता है। हमारे देश में 2.1 करोड़ टन अनाज केवल इसलिए बर्बाद हो जाता है। क्योंकि उसे रखने के लिए हमारे पास पर्याप्त भंडारण की सुविधा नहीं है। औसतन हर भारतीय एक साल में छह से 11 किलो अन्न बर्बाद करता है। साल में जितना सरकारी खरीदी का धान व गेहूं खुले में पड़े होने के कारण नष्ट हो जाता है। उतनी राशि से गांवो में पांच हजार वेयर हाउस बनाए जा सकते हैं। आज कल कई शहरो में समाजसेवी लोगो ने मिलकर रोटी बैंक बना रखा हैं। रोटी बैंक से जुड़े कार्यकर्ता शहर में घरो से व विभिन्न समारोह स्थलों से बचे हुये भोजन को एकत्रित कर जरूरत मंद गरीबो तक पहुंचाते हैं। इससे जहां भोजन की बर्बादी रूकती हैं वहीं जरूरत मंदो को भोजन भी उपलब्ध होता है। इस दिशा में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अभियान सोंचे, खाए और बचाए भी एक अच्छी पहल है। इसमें शामिल होकर की भोजन की बर्बादी रोकी जा सकती है। वर्तमान समय में समाज के सभी लोगों को मिलकर भोजन की बर्बादी रोकने के लिये सामाजिक चेतना लानी होगा। तभी भोजन की बर्बादी रोकने का अभियान सफल हो पायेगा। खाने की बर्बादी रोकने की दिशा में देश में महिलाएं बहुत कुछ कर सकती हैं। महिलाओं को अपने घर के बच्चों में बचपन से यह आदत डालनी होगी कि जितनी भूख हो उतना ही खाना लो। एक-दूसरे से बांट कर खाना भी भोजन की बर्बादी को बड़ी हद तक रोक सकता है। भोजन की बर्बादी रोकने के लिए हमें अपनी आदतों को सुधारने की जरूरत है। धार्मिक लोगों एवं स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए।

– रमेश सर्राफ धमोरा

एनडीए : कहां रह गई कसर

अठारहवीं लोक सभा के लिए हुए चुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। न तो भाजपा स्वयं के 370 और न ही एनडीए के 400 पार के मिशन को पूरा करने में सफल हो पाई। हालांकि चुनाव परिणामों की घोषणा के दो ही दिन पहले जारी हुए तमाम एग्जिट पोल में एनडीए के 400 पार होने की संभावना जताई गई थी लेकिन हुआ इसका उलट यानी एनडीए 300 का आंकड़ा भी नहीं छू पाया जबकि इंडिया गठबंधन अप्रत्याशित रूप से 230 से भी ज्यादा सीटें हासिल करते हुए मजबूत विपक्ष बनने में सफल हुआ है। भाजपा जहां 240 सीटों पर और एनडीए 291 सीटों पर सिमट गया, वहीं यह भी पूरी तरह स्पष्ट हुआ है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जादू 2014 और 2019 की भांति नहीं चल सका। हालांकि भाजपा एक बार पुनः देश की सबसे बड़ी पार्टी बनी है लेकिन अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूने से काफी पीछे रह गई। उसके लिए चिंता की बात यह है कि 7 राज्यों तमिलनाडु, पंजाब, सिक्किम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड तथा 4 केंद्रशासित प्रदेशों पुडुचेरी, चंडीगढ़, लद्दाख और लक्षद्वीप में खाता खोलने में भी नाकाम रही। मोदी के नेतृत्व में केंद्र में उनके लगातार तीसरे कार्यकाल में यह पहली बार है, जब उन्हें स्थायी सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा यानी 10 वर्षो बाद फिर से गठबंधन की अहमियत का दौर लौट आया है। जद (यू) और टीडीपी इस बार किंगमेकर की भूमिका में उभरे हैं। हालांकि हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है और गुजरात में भी एक सीट छोड़कर बाकी सभी सीट उसकी झोली में गई हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश और प. बंगाल में पार्टी को जितना बड़ा झटका लगा है, उसका अनुमान संभवतः पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी नहीं था। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और महाराष्ट्र में भी भाजपा को नुकसान हुआ है। हालांकि कर्नाटक में एनडीए का प्रदर्शन शानदार रहा और टीडीपी के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश में भी इसने विजय पताका लहराई, केरल की भी एक सीट जीतने में भाजपा सफल रही लेकिन दक्षिण भारत में भाजपा का वैसा जादू नहीं चला, जैसी पार्टी को उम्मीद थी। दूसरी ओर, कांग्रेस ने जिस तरह का दमदार प्रदर्शन करते हुए 99 सीटें जीतीं उससे कांग्रेस को निश्चित रूप से संजीवनी मिली है। कांग्रेस 2014 में केवल 44 और 2019 में 52 सीट ही जीत सकी थी। उस गिरते ग्राफ का ठीकरा राहुल गांधी पर फोड़ने के प्रयास हुए थे लेकिन 2024 के चुनाव में 99 सीटें जीतने के बाद गठबंधन में राहुल की स्वीकार्यता बढ़ने के साथ ही निश्चित रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल को भी मजबूती मिलेगी। 1984 में कांग्रेस को करीब 12.01 करोड़ वोट प्राप्त हुए थे, उसके बाद इस बार उसे अब तक के सबसे ज्यादा 13.6 करोड़ से भी अधिक मत प्राप्त हुए हैं तथा कांग्रेस धरातल पर मजबूती से खड़ी होने में सफल हो पाई है। हालांकि यह अलग बात है कि चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा को 23.45 करोड़ से भी ज्यादा वोट मिले हैं, और कांग्रेस अभी भी उसके मुकाबले कहीं नहीं खड़ी है। कांग्रेस के साथ गठबंधन कर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने करिश्माई जीत दर्ज की है। दरअसल, 2019 के चुनाव में सपा ने बसपा के साथ गठबंधन किया था और बसपा को 10 लेकिन सपा को 5 सीटें ही मिल सकी थीं। लोक सभा चुनाव में वोट शेयर के लिहाज सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था, जब उसे करीब 29 प्रतिशत वोट मिले थे जबकि सीटों के दृष्टिगत उसका बेहतरीन प्रदर्शन 2004 में था, जब उसे 35 सीटों पर जीत मिली थी लेकिन 2024 के चुनाव में सपा 37 सीटें जीतने में सफल रही। जहां तक पूरे आत्मविश्वास के साथ 400 पार का नारा देने वाले एनडीए की हार के प्रमुख कारणों की बात है तो सबसे हैरानी बात तो यही है कि राम मंदिर जैसा आस्था और सनातन से जुड़ा बड़ा मुद्दा भी भाजपा के ज्यादा काम नहीं आया। जनवरी महीने में ही अयोध्या में प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की थी और चुनाव में इस मुद्दे को भुनाने के लिए भाजपा ने हरसंभव प्रसास भी किए थे लेकिन विपक्ष के बेरोजगारी, महंगाई और सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना जैसे मुद्दे इस पर कहीं ज्यादा हावी रहे। महंगाई का मुद्दा भी चुनाव के सातों चरणों के दौरान छाया रहा। हालांकि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2014 से 2024 तक के एनडीए सरकार के एक दशक के कार्यकाल में महंगाई बढ़ने की बजाय घटी है। आंकड़ों के अनुसार 2013 में महंगाई दर 10.02 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर महज 5.69 प्रतिशत रह गई थी लेकिन यह बात थी केवल सरकारी आंकड़ों की जबकि आम जन के दैनिक जीवन से जुड़ी जरूरतों के सामान की कीमतें पिछले पांच वर्षो में 30 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ी, जिससे खाने की थाली लगातार महंगी होती जा रही है और महंगाई का सीधा असर लोगों के जीवन निर्वाह पर पड़ रहा है। इस कारण भी मध्य वर्ग सरकार से नाराज था। किसानों को हिन्टी पट्टी का कोर वोटर माना जाता है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों में किसानों की लगातार नाराजगी भी भाजपा पर भारी पड़ी। इसका असर राजस्थान, महाराष्ट्र और बिहार तक में भी पड़ा। भाजपा ने 2014 से अभी तक तीनों लोक सभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर ही लड़े हैं। पहली बार 2014 के चुनाव में पार्टी अपने बूते 282 सीटें जीत कर अपनी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में सफल हुई थी। 2019 में भी मोदी के ही चेहरे पर पार्टी ने रिकॉर्ड 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार के चुनाव में वह 240 सीटों पर सिमट गई यानी 2014 के मुकाबले 42 सीटें और 2019 के मुकाबले 63 सीटें कम। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने 371784 मतों के बड़े अंतर से 'आप' के अरविंद केजरीवाल को पराजित किया था, वहीं 2019 के चुनाव में उन्होंने 479505 मतों के भारी अंतर से सपा की शालिनी यादव को हराया था। हालांकि इस बार भी वाराणसी से उन्होंने कांग्रेस के अजय राय को हराया है लेकिन उनकी जीत का अंतर घटकर 152513 ही रह गया है। ऐसे में चौंकाने वाले इस जनादेश ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब भाजपा का काम मोदी के चेहरे के भरोसे रहने से ही नहीं चलने वाला, बल्कि पार्टी और गठबंधन के निर्वाचित सांसदों को भविष्य में रिकॉर्ड जीत के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में काम भी बेहतर करना होगा।

-योगेश कुमार गोयल

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है।

हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति

जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है।

महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है।

– रमेश सर्राफ धमोरा

आज का पंचांग

8 जून को ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की उदया तिथि द्वितीया और शनिवार का दिन है। द्वितीया तिथि शनिवार दोपहर बाद 3 बजकर 57 मिनट तक रहेगी, उसके बाद तृतीया तिथि लग जाएगी। 8 जून 2024 को शाम 7 बजकर 43 मिनट तक आर्द्रा नक्षत्र रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : मेष राशि वालों को आर्थिक स्थिति को लेकर कुछ चिंता बनी रहेगी. किसी आर्थिक लेनदेन में सावधानी बरतें. अन्यथा हानि हो सकती है. व्यापार में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे. किसी अतरंग साथी से धन प्राप्त होगा. नौकरी में उच्च अधिकारी से निकटता का लाभ मिलेगा.

वृषभ : वृषभ राशि वालों को आर्थिक स्थिति में बड़ा अवतार चढ़ाव देखने को मिलेगा. धन संपत्ति संबंधी समस्या समाज में मानहानि का सबब बनेगी. ग्रहस्थ जीवन में बिना सोचे समझे धन खर्च करने की आदत वाद विवाद का कारण बनेगी. व्यापार में आय बढ़ाने के प्रयास कुछ हद तक सफल होंगे.

मिथुन : मिथुन राशि वालों की व्यापार में आय अच्छी होगी. रुका हुआ धन मिलेगा. ससुराल पक्ष से धन एवं उपहार प्राप्त होंगे. कार्य क्षेत्र में किसी साथी से निकटता का लाभ होगा. प्रेम विवाह के इच्छुक लोगों को अपने उद्देश्य में सफलता मिलेगी.

कर्क : कर्क राशि वालों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यापार में उन्नति के साथ धन लाभ होगा. किसी विपरीत लिंग साथी से वस्त्र और आभूषण प्राप्त होंगे. नौकरी में वेतन वृद्धि के योग हैं. धन के लेनदेन में सावधानी बरतें. अन्यथा बनी बात बिगड़ सकती है.

सिंह : सिंह राशि वालो को संतान पक्ष से आर्थिक मदद मिलेगी. आर्थिक पक्ष में पुराने आय स्त्रोतों पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा. परिश्रम के अनुपात में धन की आमदनी कम होगी. संपत्ति संबंधी कार्य में भागदौड़ होगी.

कन्या : कन्या राशि वालों की चल चल संपत्ति में वृद्धि होगी. आकस्मिक धन लाभ होगा. नौकरी में पदोन्नति के साथ आय बढ़ेगी. मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी. पैतृक धन संपत्ति विवाद कोर्ट कचहरी तक पहुंच सकता है.

तुला : तुला राशि वाले संपत्ति के क्रय विक्रय संबंधित कार्य में सावधानी बरतें. इस संबंध में जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें. धन का संचय करें. अनावश्यक धन खर्च होने की संभावना है. बेवजह के खर्चों से बचें. आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होगा.

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वाले अपनी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पूजी निवेश आदि न करें. आर्थिक मामले में योजना से लाभकारी संकेत प्राप्त होंगे. जमा पूंजी का सही तरह से उपयोग करें. किसी के बहकावे में न आए. आर्थिक मामलों में पुनरावलोकन करके नीति निर्धारण करें. अपनी बुद्धि विवेक से उचित समय में उचित निर्णय लेना लाभदायक रहेगा.

धनु : धनु राशि वालों के धन एवं संपत्ति दोनों की हानि हो सकती है. किसी अनजान व्यक्ति पर भरोसा हानिकारक सिद्ध होगा. माता से धन एवं उपहार प्राप्त होगी. नौकरी में अधीनस्थ लाभकारी सिद्ध होगा. ऋण लेने के प्रयास सफल होंगे. भूमि के विक्रय की योजना उधर में लटक सकती है. पिता से व्यापार में आर्थिक सहयोग मिलेगा.

मकर : मकर राशि वालों की धन संपत्ति मिलने की बाधा सरकारी मदद से दूर होगी. राजनीति में लाभ का पद प्राप्त होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यापारिक यात्रा के सफल होने से धन लाभ होगा. किसी प्रियजन से वस्त्र एवं आभूषण प्राप्त होंगे. रोजगार प्राप्त होने से धन एवं सुख बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. व्यापारिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी.

कुंभ : कुंभ राशि वाले आर्थिक लेनदेन में अधिक सावधानी रखें. अधिक धन खर्च हो सकता है. अपनी परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पूंजी निवेश के संबंध में अंतिम निर्णय ले. आर्थिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता प्राप्त होने के योग बनेंगे. धन संपत्ति के लिए प्रयासरत रहेंगे. इस संबंध में कुछ सफलता प्राप्त होने की भी संभावना रहेगी.

मीन : मीन राशि वालों की धन संपत्ति में वृद्धि होगी. प्रेम संबंधों में मनचाहा उपहार प्राप्त होगा. व्यापार में पिता के सहयोग से उन्नति के साथ धन लाभ होगा. किसी पुराने मित्र से धन वापस मिलेगा. नौकरी में अधीनस्थ लाभकारी सिद्ध होगा. किसी बड़ी योजना की पूर्ति हेतु सरकारी मदद मिलेगी. वस्त्र और आभूषण प्राप्त होंगे. राजनीति के क्षेत्र में लाभ उन्नति के योग बनेंगे.

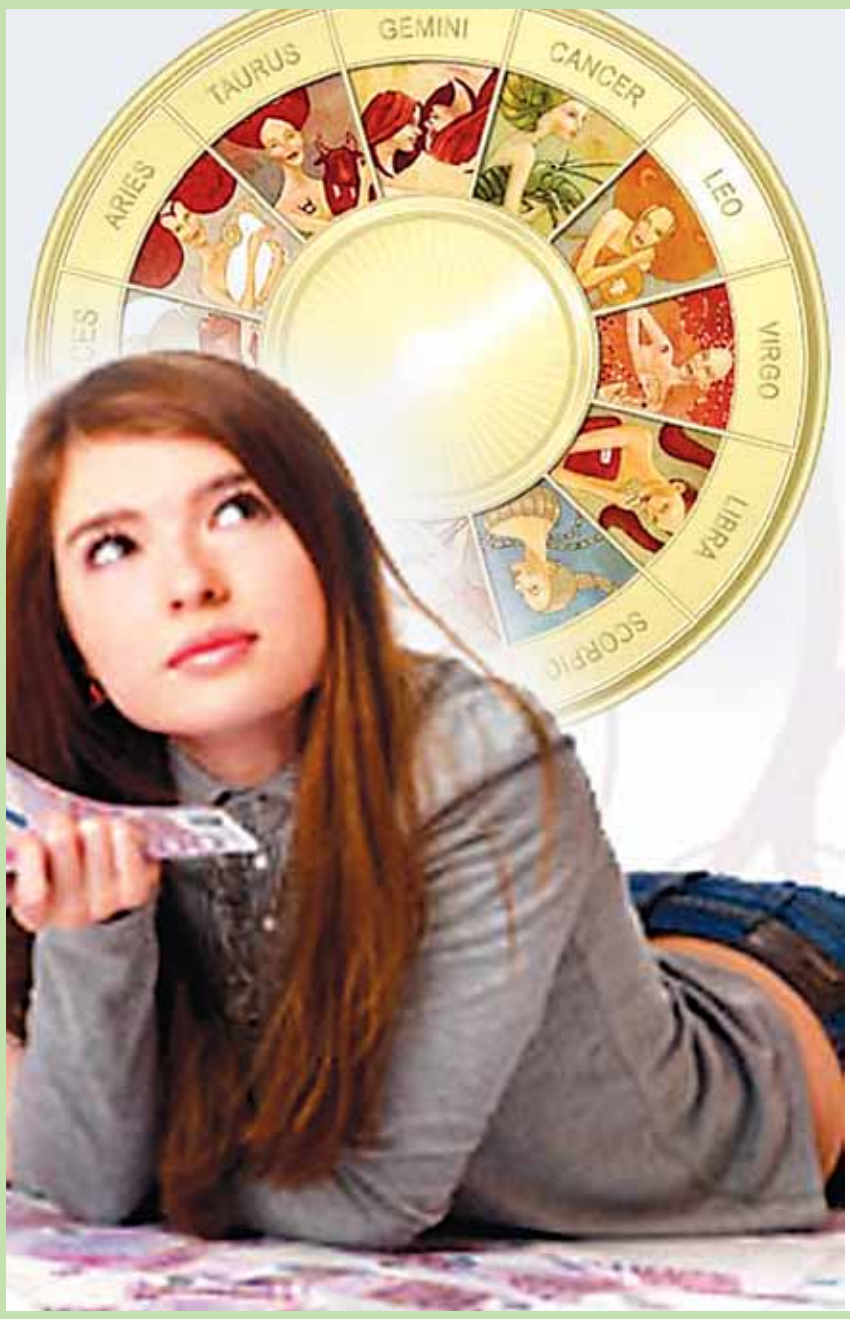

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 सितंबर से होगा शुरु, महिला चैलेंजर ट्रॉफी की वापसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर की घोषणा कर दी है, जिसमें दलीप ट्रॉफी सबसे पहले 5 सितंबर से अनंतपुर में शुरु होगी। जैसा कि पहले बताया गया था, रणजी ट्रॉफी अब दो चरणों में खेली जाएगी, जिसमें सफेद गेंद की प्रतियोगिताओं के लिए एक विंडो दी गई है। बीसीसीआई की ओर से गुरुवार रात जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, "रणजी ट्रॉफी का फाइनल मार्च 2025 में होना तय है। इसके अलावा, बीसीसीआई ने यह भी खुलासा किया है कि वे सीके नायडू ट्रॉफी (अंडर-23 क्रिकेट) में एक नई अंक प्रणाली का परीक्षण करेंगे। इसमें पहली पारी में बल्लेबाजी और गेंदबाजी कौशल के लिए अंक दिए जाएंगे, साथ ही पहली पारी में बढ़त हासिल करने या पूरी जीत हासिल करने के लिए अंक दिए जाएंगे।" बीसीसीआई ने यह भी कहा कि मूल्यांकन के बाद इसे रणजी ट्रॉफी में भी शामिल किया जा सकता है। टूर्नामेंट में टॉस की व्यवस्था भी समाप्त कर दी जाएगी और मेहमान टीम को यह चुनने का मौका मिलेगा कि वे क्या करना चाहते हैं। सैयद मुश्ताक अली (टी20 टूर्नामेंट) अब नवंबर और दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसके ठीक बाद विजय हजारे ट्रॉफी होगी जो दिसंबर में शुरू होगी और रणजी ट्रॉफी के फिर से शुरू होने से पहले जनवरी में समाप्त होगी। बयान में कहा गया है, "खिलाड़ियों के कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए मैचों के बीच एक लंबा अंतराल शामिल किया गया है, जिससे रिकवरी और निरंतर शीर्ष प्रदर्शन के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित हो सके।"

महिलाओं के लिए चैलेंजर ट्रॉफी की वापसी- महिला क्रिकेट के लिए, चैलेंजर ट्रॉफी, जिसमें चयनकर्ताओं द्वारा टीमों का चयन किया जाता है, एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त है। चैलेंजर ट्रॉफी आखिरी बार 2021-22 में वनडे प्रारूप में और 2022-23 में टी20 प्रारूप में खेली गई थी। 2023-24 में क्षेत्रीय प्रारूप में फिर से शुरू किया गया बहु-दिवसीय टूर्नामेंट अब चैलेंजर ट्रॉफी के रूप में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने कहा, "वन-डे, टी20 और बहु-दिवसीय प्रारूपों में फैले सभी महिला चैलेंजर टूर्नामेंट में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं द्वारा चुनी गई टीमें शामिल होंगी।"

गाल प्रो टी20 लीगः प्रियंका बाला संभालेंगी सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कमान

कोलकाता। कोलकाता में 12 जून से शुरू हो रही बंगाल प्रो टी20 लीग में प्रियंका बाला सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तानी को लेकर काफी उत्साहित हैं। 11 जून से 28 तक चलने वाली इस रोमांचकारी लीग का महिला चरण 12 जून को साल्ट लेक के जादवपुर विश्वविद्यालय में शुरू होगा। कप्तानी को लेकर प्रियंका बाला कहती हैं, "हालांकि मैं पहले भी टीमों की कप्तानी कर चुकी हूं पर बंगाल प्रो टी 20 लीग एक बड़ा मंच है और सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तानी करना मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।" मुकाबलों की तैयारी को लेकर प्रियंका ने कहा कि "हम अपनी रणनीति के हिसाब से चल रहे हैं और इसके लिए टीम नेट्स में खूब पसीना भी बहा रही है। टीम अपना पहला मुकाबला 12 जून को हार्बर डायमंड्स के खिलाफ खेलेगी।" महिला प्रीमियर लीग 2024 में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहीं प्रियंका कहती हैं, "महिला प्रीमियर लीग में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है, वहां मैंने देशी खिलाड़ियों से लेकर विदेशी खिलाड़ियों तक के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया और उनसे बहुत कुछ सीखा। जिसका फायदा बंगाल प्रो टी 20 लीग में हमें जरूर मिलेगा " वह आगे बताती हैं, "हम घरेलू टूर्नामेंट में बंगाल के लिए खेलते हैं, लेकिन बंगाल प्रो टी20 लीग एक बड़ा प्लेटफार्म है, जो नए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देगा।" अरीवा स्पोर्ट्स की देखरेख में आयोजित बंगाल प्रो टी 20 लीग की नींव आईपीएल की तर्ज पर रखी गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं और इसकी शुरुआत 11 जून से ईडन गार्डन में होगी।

भारतीय कप्तान सुनील छेत्री ने शानदार अंदाज में ली विदाई, मीडिया को दिया आखिरी संदेश

कोलकाता। गुरुवार रात कुवैत के खिलाफ अपने आखिरी मैच के बाद भारत के सबसे चमकते सितारे भावुक सुनील छेत्री पोस्ट-गेम प्रेस कॉन्फ्रेंस में नज़र नहीं आए। भारतीय कप्तान आखिरी बार एक ऐसे अंदाज़ में विदा लेने में कामयाब रहे, जो सिर्फ़ वही कर सकते थे, जो क्लास से भरा हुआ था। सुनील छेत्री ने मीडिया को एक पत्र के जरिये अपना आखिरी संदेश दिया। मीडिया को दिये अपने पत्र में उन्होंने लिखा, "पिछले 19 सालों में मुझे आपमें से बहुत से लोगों से कई मौकों पर बातचीत करने का मौका मिला है। कई बार ऐसा हुआ जब मुझे अपनी इच्छा से बहुत कम बोलना पड़ा और कई बार ऐसा हुआ जब मैंने आपके सवालों का जवाब लंबे मोनोलॉग के साथ दिया।" छेत्री ने अपने पत्र में लिखा, "कुछ जवाब निराशा से भरे थे, कुछ जवाब ऐसे थे जो आपकी झुंझलाहट के लिए बहुत ज़्यादा गैर-प्रतिबद्ध थे और

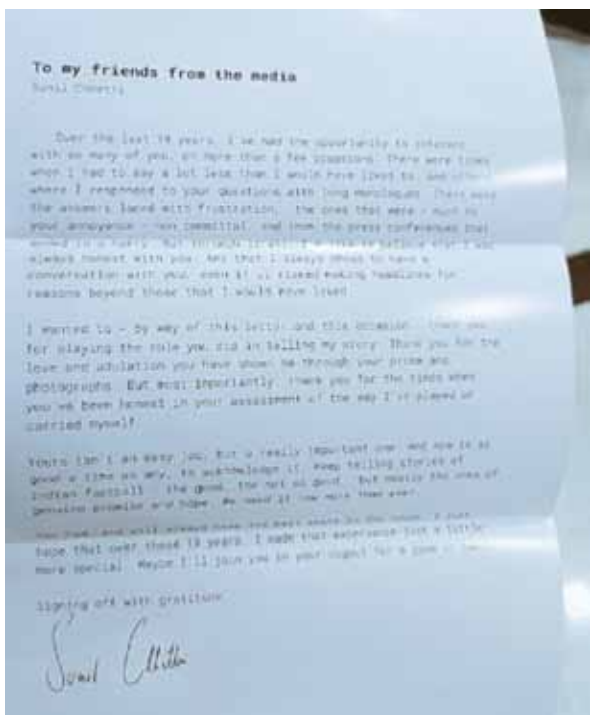

फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस जो जल्दबाजी में खत्म हो गई। लेकिन इन सबके बावजूद, मैं यह मानना चाहता हूं कि मैं हमेशा आपके साथ ईमानदार रहा हूं। और मैंने हमेशा आपसे बातचीत करना चुना, भले ही इसके लिए मुझे उन कारणों से सुर्खियों में आने का जोखिम उठाना पड़ा जो मुझे पसंद नहीं थे।" भारत और कुवैत के बीच गोल रहित ड्रॉ की निराशा के बावजूद, छेत्री को वह विदाई मिली जिसके वे हकदार थे, साल्ट लेक की भीड़ ने तालियाँ बजाईं और उस व्यक्ति को नमन किया जिसने भारतीय फुटबॉल को बदल दिया। उन्होंने स्टेडियम में प्रशंसकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपने साथियों से गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया, जिसके बाद पिच से बाहर निकलने से पहले नंबर 11 के खिलाड़ी की आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने कहा, "मैं इस पत्र और इस अवसर के माध्यम से आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ - मेरी कहानी बताने में आपने जो भूमिका निभाई है, उसके लिए धन्यवाद। आपने अपनी गद्य और तस्वीरों के माध्यम से मुझे जो प्यार और प्रशंसा दिखाई है, उसके लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, उन समयों के लिए धन्यवाद जब आपने मेरे खेलने के तरीके या खुद को प्रस्तुत करने के तरीके का ईमानदारी से आकलन किया है।" कुवैत के खिलाफ मैच 39 वर्षीय खिलाड़ी के शानदार राष्ट्रीय करियर का 151वां और अंतिम मैच था और इसे हमेशा प्यार से याद किया जाएगा। अपने पत्र का समापन करते हुए उन्होंने लिखा, "आपके पास घर में सबसे अच्छी सीटें थीं और हमेशा रहेंगी। मुझे बस उम्मीद है कि इन 19 सालों में, मैंने उस अनुभव को थोड़ा और खास बना दिया है। शायद मैं एक या दो गेम के लिए आपके डगआउट में शामिल हो जाऊँ। आभार के साथ विदा लेते हुए, सुनील छेत्री।"

भारतीय पहलवान अमन सेहरावत ने बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज में जीता रजत पदक

बुडापेस्ट। भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान अमन सेहरावत ने गुरुवार को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित पोलाक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में रजत पदक जीता। 2023 एशियाई चैंपियन, बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज़ में पुरुषों के 57 किग्रा के फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और रियो 2016 ओलंपिक रजत पदक विजेता जापान के री हिगुची से 11-1 से हार गए। हिगुची पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक विजेता थे। सहरावत ने क्वार्टर फ़ाइनल में जॉर्जिया के रॉबर्टी डिंगशविली पर 11-1 से जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आर्यन त्सुत्रिन को 14-4 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। सहरावत इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। पिछले महीने, 20 वर्षीय भारतीय पहलवान ने तुर्की के इस्तांबुल में विश्व ओलंपिक कुश्ती क्वालीफायर के माध्यम से भारत के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा हासिल किया।

न्यूयॉर्क पिचों की गुणवत्ता सुधारने के लिए काम कर रहा है आईसीसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने स्वीकार किया है कि न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी क्रिकेट ग्राउंड पर अब तक उपयोग की गई दो पिचें घटिया स्तर की हैं और वे इस स्थल पर शेष टी-20 विश्व कप मैचों के लिए इस समस्या का "समाधान" करने का प्रयास कर रहे हैं। भारत और आयरलैंड के बीच अत्यंत कठिन विकेट पर ग्रुप मैच खेले जाने के एक दिन बाद गुरुवार को आईसीसी ने एक बयान में कहा, "नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक उपयोग की गई पिचें उतनी निरंतरता से नहीं खेली गई हैं, जितनी हम चाहते थे। विश्व स्तरीय मैदानों की टीम भारत-आयरलैंड मैच के समापन के बाद से स्थिति को सुधारने और शेष मैचों के लिए सर्वोत्तम संभव सतह प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।" न्यूयॉर्क के नए स्थल पर पहला मैच - जो पार्क की भूमि पर पांच

महीने की अवधि में बनाया गया एक पॉप-अप क्रिकेट स्टेडियम है, जिसमें फ्लोरिडा में ड्रॉप-इन पिचें बनाई गई थीं और वहां लाई गई थीं - 3 जून को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेला गया था। श्रीलंका की टीम पिच नंबर 1 पर 77 रन पर आउट हो गई, और दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। 5 जून को भारत ने पिच नंबर 4 पर आयरलैंड को 96 रनों पर आउट कर दिया, और हालांकि उन्होंने आठ विकेट से जीत हासिल की, लेकिन उनके दो बल्लेबाजों - रोहित शर्मा और ऋषभ पंत - को शरीर पर चोटें आईं। रोहित को हाथ पर चोट लगने के कारण रिटायर हर्ट होना पड़ा।

नॉर्वे शतरंजः प्रज्ञानानंद, वैशाली हारे; कार्लसन, टिंगजी ने राउंड-9 में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की

स्टावेंजर। नॉर्वे शतरंज रोमांचक समापन की ओर बढ़ रहा है। प्रतियोगिता में राउंड 9 के सभी क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए, जिसके बाद मैच विजेता का निर्धारण करने के लिए आर्मागेडन टाई-ब्रेकर का सहारा लिया गया। भारत के आर प्रज्ञानानंद को आर्मागेडन में फैबियानो कारुआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिनके पास खिताब जीतने का एक बाहरी मौका है। प्रज्ञानानंद को जीत के लिए जरूरी अंतिम राउंड में हिकारू नाकामुरा को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि स्थानीय हीरो मैग्नस कार्लसन कारुआना के खिलाफ़ अपना गेम हार जाएँ। पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन ने राउंड 9 में अलीरेजा फिरौजा पर आर्मागेडन

जीत के साथ अपनी बढ़त को बढ़ाया। इसका मतलब है कि कार्लसन के लिए अंतिम राउंड में जीत उन्हें टूर्नामेंट जीतने की गारंटी देगी। आर्मागेडन में मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से हारने वाले नाकामुरा को टूर्नामेंट जीतने का मौका पाने के लिए प्रज्ञानानंद के खिलाफ ब्लैक के साथ आखिरी गेम जीतना होगा। इस बीच, महिलाओं के टूर्नामेंट में, दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत लेई टिंगजी बनाम वैशाली आर गेम से मिली। चीनी ग्रैंडमास्टर ने 30 चालों में सफ़ेद मोहरों के साथ वैशाली के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की और अंतिम दौर में टूर्नामेंट जीतने की अपनी संभावनाओं को काफी हद तक बढ़ा दिया है। महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन ने आर्मागेडन में कोनेरू हम्पी को हराकर प्रतियोगिता में 1.5 अंकों की बढ़त हासिल की, जबकि अन्ना मुज़ीचुक ने पिया क्रैमलिंग पर टाई-ब्रेक जीत दर्ज की। टूर्नामेंट के अपने अंतिम दौर में पहुँचने के साथ, नॉर्वे शतरंज 2024 महिला टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण के रोमांचक समापन के साथ महिला टूर्नामेंट में शीर्ष पर वेनजुन, टिंगजी और मुज़ीचुक के बीच केवल 1.5 अंकों का अंतर है।

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई, लेकिन बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत और निफ्टी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो, एलटी माइंडट्री, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और बजाज फाइनेंस के शेयर 5.05 प्रतिशत से लेकर 2.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, बजाज ऑटो, आईटीसी, कोल इंडिया और अडाणी

एंटरप्राइज के शेयर 1.46 प्रतिशत से लेकर 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,168 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,816 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 352 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 5 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 42.72 अंक की गिरावट के साथ 75,031.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक ने उछल कर हरे निशान में अपनी जगह बना ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 600 अंक से अधिक की मजबूती के साथ 75,698.71 अंक के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 487.04 अंक की बढ़त के साथ 75,561.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 0.45 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 22,821.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली वाली शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 23 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। हालांकि इसके बाद मामूली बिकवाली के कारण इस सूचकांक में थोड़ी गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 139.50 अंक की बढ़त के साथ 22,960.90 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 692.27 अंक यानी 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 75,074.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 201.05 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,821.40 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, महंगा हुआ सोना और चांदी

नई दिल्ली। एक दिन की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर तेजी का रुख बन गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना और चांदी महंगे हो गए हैं। सोना आज 400 रुपये से 700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सर्राफा बाजार में आज आई इस तेजी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74 हजार रुपये के स्तर के ऊपर बिक रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी चेन्नई के अलावा दूसरे सर्राफा बाजारों में 67 हजार रुपये के स्तर को पार कर गय है। चेन्नई में 22 कैरेट सोना 64 हजार रुपये से ऊपर चढ़ कर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी में भी तेजी दर्ज की गई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी करीब 2 हजार रुपये उछल कर 93,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में

24 कैरेट सोना आज 73,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,480 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

रिजर्व बैंक ने 2024-25 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 4.50 फीसदी पर बरकरार रखा

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मानसून सामान्य रहने के अनुमान को देखते हुए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मुद्रास्फीति (महंगाई) के अनुमान को 4.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.40 फीसदी के अनुमान से कम है। हालांकि, आरबीआई ने इसके साथ ही खाद्य कीमतों के परिदृश्य पर करीबी नजर रखने की जरूरत पर बल दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद फैसलों की जानकारी दी। दास ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 फीसदी पर बरकरार रखा गया है। उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 फीसदी, दूसरी तिमाही में 3.8 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.5 फीसदी रहने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति

मार्च-अप्रैल पहली तिमाही में नरम पड़ी है लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति पर लगातार दबाव की वजह से आम आदमी को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि दालों तथा सब्जियों की मुद्रास्फीति दो अंक में बनी हुई है। दास ने कहा कि दालों तथा सब्जियों की रबी की आवक पर सावधानी से निगाह रखने की जरूरत है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक को सीपीआई पर आधरित मुद्रास्फीति दर को 4 फीसदी के स्तर पर रखने का लक्ष्य दिया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 651.5 अरब डॉलर के नए ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई तक 651.5 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। पिछले हफ्ते 24 मई को मुद्रा भंडार 646.67 अरब डॉलर पर था। इसके बाद विदेशी मुद्रा भंडार में 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के फैसलों की घोषणा करते हुए देश के विदेशी मुद्रा भंडार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 31 मई को विदेशी मुद्रा भंडार 651.5 अरब अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

आरबीआई ने 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को सात फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने निजी उपभोग में सुधार और ग्रामीण क्षेत्र की मांग मजबूत होने से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यहां मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक की। उसके बाद इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अभी तक घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत हैं। घरेलू मांग बढ़ने से विनिर्माण गतिविधियों

में तेजी आई है। शक्तिकांत दास ने कहा कि विभिन्न आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र की रफ्तार भी कायम है। उन्होंने कहा कि एमपीसी ने इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.3 फीसदी, दूसरी तिमाही में 7.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 7.3 फीसदी और चौथी तिमाही में 7.2 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। उल्लेखनीय है कि स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एसएंडपी) ग्लोबल रेटिंग्स ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.80 फीसदी कर दिया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा पिछले महीने की आखिरी तारीख को जारी अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी है।

बॉक्स ऑफिस पर श्रीकांत की कमाई चौथे सप्ताह में भी जारी

जानें अब तक का कारोबार

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही से पहले राजकुमार राव की एक और फिल्म श्रीकांत सिनेमाघरो में दर्शकों के मनोरंजन के लिए लगी हुई है।यह फिल्म दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला की बायोपिक है। फिल्म में राजकुमार ने श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है।भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में असफल रही हो, लेकिन अभिनेता की अदाकारी और फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही है। अब श्रीकांत के 26वें दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आए हैं। यह अब तक का सबसे कम कारोबार है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने चौथे मंगलवार 35 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 44.95 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म की कहानी हमें बोला के जन्म से लेकर एक सफल उद्योगपति बनने तक का सफर बड़ी खूबसूरती से दिखाती है।सिनेमाघरों के बाद श्रीकांत ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। श्रीकांत में अलाया एफ, ज्योतिका और शरद केलकर जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं। इसका निर्देशन तुषार हीरानंदानी ने किया है, वहीं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और निधि परमार इसके निर्माता हैं।अब राजकुमार जल्द श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म स्त्री 2 में नजर आएंगे।

ईशान खट्टर के साथ काम करना चाहती हैं अनुष्का सेन

अनुष्का सेन का नाम टीवी जगत की उन अभिनेत्रियो की सूची मे शामिल है, जिन्होंने छोटी उम्र में इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है।अनुष्का अभी 21 साल की हैं और वे टीवी शो से लेकर वेब सीरीज और फिल्मों तक में अपनी अदाकारी का तड़का लगा चुकी हैं।अब अनुष्का ने अभिनेता ईशान खट्टर के साथ काम करने की इच्छा जताई है। ईशान उनके पसंदीदा अभिनेता हैं।अनुष्का ने बताया कि उन्हें ईशान की अदाकारी बहुत पसंद है। बातचीत में अनुष्का ने दिग्गज अभिनेता रणवीर सिंह की भी खूब तारीफ की।उन्होंने कहा, "रणवीर सिंह की ऊर्जा बहुत अलग है। हे भगवान, क्या ऊर्जा है। मुझे बहुत अच्छा लगता है जब वह अपनी एनर्जी के साथ दिखाई देते हैं और मुझे वह सफेद कपड़ों में बहुत अच्छे लगे हैं। मुझे यह बहुत पसंद है।"अनुष्का अब तक क्रेजी कुक्कड़ फैमिली, लिहाफ: द क्विल्ट और सम्मादि_ी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अनुष्का ने साल 2009 में आया टीवी शो यहां मैं घर घर खेली के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई। हालांकि, अनुष्का को पहचान बालवीर से मिली, जो साल 2012 में आया था।झांसी की रानी, अपना टाइम भी आएगा, देवों के देव...महादेव और इंटरनेट वाला लव जैसे टीवी शो में नजर आ चुकी हैं।अनुष्का रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 11 में भी दिखाई दी थीं।

अजय देवगन की फिल्म मैदान ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

अजय देवगन की फिल्म मैदान को इसी साल ईद के खास मौके पर यानी 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।240 करोड़ रुपये की लागात में बनी इस फिल्म ने 51.39 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।अब मैदान ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी हैं।अगर आपने इस फिल्म को सिनेमाघर में नहीं देखा है तो अब घर बैठे देख सकते हैं। मैदान की कहानी फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित है, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय फुटबॉल टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत हासिल की थी। इस दौर को भारतीय फुटबॉल का स्वर्ण युग कहा जाता है।इस फिल्म में अजय के अलावा प्रियामणि, गजराज राव, बोमन ईरानी और रुद्रनील घोष जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में हैं।मैदान का निर्देशन अमित शर्मा ने किया है। बोनी कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों अजय देवगन के पास फिल्मों की भरमार है. वह 'सिंघम अगेनó में नजर आएंगे.

विक्रांत मैसी की ब्लैकआउट का गाना क्या हुआ जारी

विशाल मिश्रा ने दी आवाज

एक्टर विक्रांत मैसी अपकमिंग कॉमेडी-थ्रिलर फिल्म ब्लैकआउट को लेकर सुर्ख़ियों में हैं। यह फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने मंगलवार को फिल्म से क्या हुआ नामक एक सॉन्ग जारी किया। 2 मिनट, 39 सेकंड के इस गाने में विक्रांत काफी परेशान और गुस्से में नजर आ रहे हैं। वह गोलियां चला रहे हैं। वहीं गाने में सुनील ग्रोवर, मौनी रॉय और अनंत जोशी भी दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर गाना शेयर करते हुए विक्रांत ने कैप्शन में लिखा, फिल्म का नया हिट गाना क्या हुआ रिलीज हो गया है...क्या आपने इसे सुना... गाने के बोल और इसमें आवाज विशाल मिश्रा ने दी है। सिंगर विशाल मिश्रा ने कहा: क्या हुआ एक शानदार ट्रैक है, यह ब्लैकआउट की कहानी को दिखाता है। मैंने म्यूजिक और लिरिक्स के जरिए किरदारों की जिंदगी में चल रही उथल-पुथल को जाहिर किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह गाना पसंद आएगा और वह इससे वैसा ही जुड़ाव महसूस करेंगे, जैसा हमने इसे बनाते समय महसूस किया था। फिल्म में विक्रांत एक क्राइम रिपोर्टर की भूमिका में हैं। हाईवे पर वह कार एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। जब वह सामने वाले का हाल-चाल लेने के लिए जाते हैं, जिससे उनकी कार टकराई थी, तो वहां देखते हैं कि उसमें काफी कैश और सोना पड़ा हुआ है। फिल्म का डायरेक्शन देवांग शशिन भावसार ने किया है। करण सोनावणे और सौरभ घाडगे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। जियो स्टूडियो के तहत ज्योति देशपांडे और 11:11 प्रोडक्शंस के तहत नीरज कोठारी द्वारा निर्मित, ब्लैकआउट सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 7 जून को रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई में गिरावट जारी

जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई कर रही है।रूही के बाद यह जाह्नवी-राजकुमार के बीच दूसरा सहयोग है और दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।वीकेंड पर बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद अब कामकाजी दिनों में मिस्टर एंड मिसेज माही की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।आइए जानते हैं पांचवें दिन फिल्म के खाते में कितने करोड़ रुपये आए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 2.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 21.10 करोड़ रुपये हो गया है।मिस्टर एंड मिसेज माही ने 6.75 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 4.60 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाए।चौथे दिन यह फिल्म 2.15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म में आप देख पाएंगे कि राजकुमार राव इस फिल्म में महेंद्र के किरदार में नजर आ रहे हैं। जिन्होंने बचपन से ही क्रिकेटर बनने के सपना देखा होता है, लेकिन पिता नहीं चाहते कि वह क्रिकेट खेलें।इस वजह से उन्हें अपने सपने को छोड़ना पड़ा, लेकिन ये सपना वह अपना पत्नी जाह्नवी कपूर (महिमा) से पूरा करवाते हैं।वैसे तो उनकी पत्नी पेशे से डॉक्टर होती हैं, लेकिन वह पति के कहने पर क्रिकेट खेलती हैं।

साड़ी में कयामत ढाती दिखीं अवनीत कौर

एक्ट्रेस के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया हेंडल पर पोस्ट करती हैं तो लोग अक्सर उनके लुक्स की तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपने बोल्ड और हॉट लुक से फैंस को इस कदर कायल किया हुआ है कि लोग उनकी तस्वीरों पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते हैं। एक्ट्रेस हर बार इंडियन और वेस्टर्न लुक में अपनी फोटोज शेयर कर के अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। अवनीत कौर का फैशन स्टेटमेंट हमेशा से ही ऑन प्वॉइंट रहता है। उनका हर एक स्टाइल फैंस काफी ज्यादा फॉलो करते हैं। हाल ही में हुए फोटोशूट में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर पिंक कलर की बेहद ही सिंपल साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने रिवीलिंग ब्लाउज भी कैरी किया हुआ है। कानों नें झुमकें, खुले बाल और सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। इन तस्वीरों पर भी एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- लुकिंग गॉर्जियस, फिर दूसरे यूजर ने लिखा सो हॉट एंड ग्लैमरस।

नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी गई लापता लेडीज, डंकी से एनिमल तक को छोड़ा पीछे

इन दिनों लोग सिनेमाघरों से कहीं ज्यादा घर पर आराम फरमाते हुए फिल्में देखना पसंद कर रहे हैं। यही वजह है कि ओटीटी की मांग बढ़ती जा रही है। फिल्मों के अलावा लोग वेब सीरीज का भी पूरा लुत्फ उठा रहे हैं।नेटफ्लिक्स पर हिंदी, तमिल, कोरियाई और अंग्रेजी जैसी तमाम भाषाओं का अलग-अलग कंटेंट देखने को मिलता है।इस साल नेटफ्लिक्स पर लापता लेडीज ने बाजी मार ली है। इसे 2024 में जनता का सबसे ज्यादा प्यार मिला है। शुरुआत किरण राव की फिल्म लापता लेडीज से करते हैं, जिसका निर्माण आमिर खान ने किया। सिनेमाघरों में भले ही इसे दर्शक नसीब नहीं हुए, लेकिन ओटीटी पर आते ही फिल्म ने धमाका कर दिया।यह इस साल की अब तक नेटफ्लिक्स पर आईं सभी फिल्मों में पहले पायदान पर है, जिसे खबर लिखे जाने तक 1 करोड़ 70 लाख लोग देख चुके हैं।इस फिल्म ने साबित कर दिया है कि असल में कंटेंट ही किंग है। दूसरे स्थान पर जिसे ओटीटी पर सबसे ज्यादा प्यार मिला है, वो है अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान। इस फिल्म को अब तक 1 करोड़ 48 लाख व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ज्योतिका ने अजय की पत्नी का किरदार निभाया है।उधर करीना कपूर, तब्बू और कृति सैनन की तिकड़ी वाली फिल्म क्रू तीसरे पायदान पर है, जिसे 1 करोड़ 43 लाख लोगों ने देखा है। ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की फिल्म फाइटर को लेकर खूब हो-हल्ला मचा हुआ था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर इसने ऐसा कोई कमाल नहीं किया, लेकिन ओटीटी पर फिल्म को जनता भरपूर प्यार मिला। यही वजह है कि 1 करोड़ 40 लाख व्यूज के साथ नेटफ्लिक्स पर सब ज्यादा देखनी जाने वाली फिल्मों में फाइटर चौथे स्थान पर विराजमान है।उधर रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल को 1 करोड़ 36 लाख लोग देख चुके हैं। शाहरुख खान की डंकी ने भी इस साल दर्शकों का जमकर मनोरंजन किया है। सिनेमाघरों में फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला, लेकिन यह शाहरुख की पठान और जवान जैसी फिल्मों की तरह कमाई नहीं कर पाई। हालांकि, नेटफ्लिक्स पर डंकी को खूब प्यार मिला। इसे अब तक 1 करोड़ 8 लाख लोगों देख चुके हैं।उधर भूमि पेडनेकर अभिनीत और शाहरुख के होम प्रोडक्शन में बनी फिल्म भक्षक 1 करोड़ 4 लाख व्यूज के साथ 7वें स्थान पर है। सारा अली खान की मर्डर मुबारक 8वें पायदान पर है। इसे 63 लाख लोगों ने नेटफ्लिक्स पर देखा, वहीं 58 लाख व्यूज के साथ यामी गौतम की आर्टिकल 370 9वें स्थान पर तो 10वें स्थान पर चमकीला है, जिसे 53 लाख लोग देख चुके हैं।

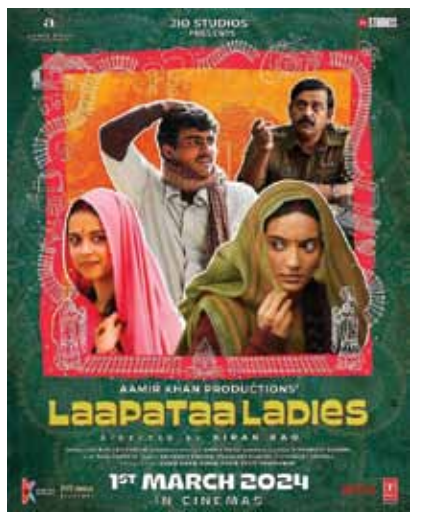

कल्कि 2898 एडी पर आया बड़ा अपडेट, 10 जून को रिलीज होगा फिल्म का ट्रेलर

कल्कि 2898 एडी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। हाल में ही इससे संबधित एक एनिमेटेड सीरीज लॉन्च की गई थी। अब निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर को लेकर नई घोषणा की है। कल्कि 2898 एडी की चर्चा देशभर में जोरों शोरों से हो रही है। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसका देश भर में दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में साइंस-फिक्शन और भारतीय पौराणिक कथाओं का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलने वाला है। फिल्म में कई बड़े कलाकार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब इस फिल्म के ट्रेलर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यह अब तक की बनी सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में से एक है। फिल्म पर 425 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। बीते कुछ दिनों फिल्म को लेकर लगातार नई खबरें सामने आ रही थीं। हर खबर के साथ दर्शकों की उत्सुकता बढ़ती जा रही है। अब इसके निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज डेट से पर्दा हटाया है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर जारी कर ट्रेलर के रिलीज डेट की घोषणा की है। जारी हुए नए पोस्टर के मुताबिक, फिल्म का ट्रेलर 10,जून 2024 को रिलीज किया जाएगा। बीते कुछ समय से फिल्म के निर्माता लगातार नए तरीकों से फिल्म की मार्केटिंग कर रहे हैं। बीते सोमवार को ही मेकर्स ने एक पोस्ट कर जल्द ही फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट जारी करने इशारा किया था, जिसके बाद आज फिल्म के ट्रेलर के रिलीज डेट की घोषणा की गई है। इससे पहले भी मेकर्स ने कुछ पोस्टर्स जारी किए थे, जिससे दर्शकों का उत्साह काफी बढ़ गया था। इसके अलावा निर्माताओं के तरफ से फिल्म के दो अहम किरदार भैरव और बुज्जी को लेकर एक एनिमेटेड सीरीज भी जारी किया था। इस सीरीज के द्वारा निर्माताओं ने फिल्म में दिखाई जाने वाली दुनिया से परिचय कराया है।